राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 30 जून 2025 वर्ष-8,अंक-131 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जन-भागीदारी की शक्ति से बड़े-बड़े संकटों का किया जा सकता है मुकाबला

पीएम मोदी ने मन की बात में आपातकाल का किया जिक्र, नेताओं के संदेश सुनाए

नई दिल्ली।

पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के 123वें एपिसोड में कई विषयों पर बात की। इनमें से एक अहम मुद्दा था 1975 में लगाया गया आपातकाल। इस दौरान पीएम मोदी ने देशवासियों को उस दौर की भयावहता और संकट से अवगत कराने कई नेताओं के ऑडियो संदेश सुनाए। इन ऑडियो के जरिए उन्होंने उस समय के हालात को प्रस्तुत किया, जब लोकतंत्र को कुचलने की कोशिश की गई थी। पीएम मोदी ने कहा कि जन-भागीदारी की शक्ति से, बड़े-बड़े संकटों का मुकाबला किया जा सकता है। इसके बाद पीएम मोदी ने पूर्व पीएम मोरारजी देसाई का एक ऑडियो का उल्लेख किया, जिसमें देसाई जी ने आपातकाल की क्रूरता को बयां किया। मोरारजी देसाई ने कहा था, आखिर ये जो जुल्म हुआ दो साल तक जुल्म तो 5 से 7 साल से शुरू हो गया था। लेकिन वह शिखर पर पहुंच गया है दो साल में, जब लोगों पर इमरजेंसी थोप दी और अमानवीय बर्ताव किया गया। लोगों के स्वतंत्रता का हक छीन लिया गया। अखबारों की स्वतंत्रता भी छीन ली। अदालतें निर्बल बना दी गई। जिस ढंग से एक लाख से ज्यादा लोग जेल में बंद कर दिए और फिर सरकार की मनमानी होती रही, उसकी मिसाल दुनिया के इतिहास में मिलना मुश्किल है। पीएम मोदी ने कहा कि मोरार देसाई ने संक्षेप में बहुत ही स्पष्ट तरीके से इमरजेंसी के बारे में बताया।

आप कल्पना कर सकते हैं, वो दौर कैसा था। इमरजेंसी लगाने वालों ने ना सिर्फ हमारे संविधान की हत्या की बल्कि उनका इरादा न्यायपालिका को भी अपना गुलाम बनाना था। इस दौरान लोगों को बड़े पैमाने पर यातनाएं दी गई। इसके ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जिन्हें कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। जॉर्ज फर्नांडिस को जंजीरों में जकड़ा गया। अनेक लोगों को कठोर यातनाएं दी गई। 'मीसा' के तहत किसी को भी ऐसे ही गिरफ्तार कर लिया जाता था। विद्यार्थियों को भी परेशान किया गया और अभिव्यक्ति की आजादी का गला घोंटा गया। पीएम मोदी ने इस दौरान भारत की जनता की अदम्य शक्ति की सराहना की।

उन्होंने कहा कि उस काले दौर में भी भारत की जनता न झुकी, न टूटी, और न ही लोकतंत्र के साथ कोई समझौता किया। आखिरकार जनता-जनार्दन की जीत हुई और आपातकाल को हटाने के साथ इसे थोपने वाली ताकतों को सत्ता से बाहर कर दिया गया। इस संदर्भ में पीएम मोदी ने बाबू जगजीवन राम का एक ऑडियो का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि पिछला चुनाव, चुनाव नहीं था।

पहला कॉलम

उत्तराखंड में बारिश से हुई तबाही के चलते रोकना पड़ी चारधाम यात्रा

देहरादून।

उत्तराखंड में भारी बारिश और भूस्खन को ध्यान में रखते हुए चारधाम यात्रा को फिलहाल रोक दिया गया है। यह फैसला यात्रियों की सुरक्षा और बारिश के अलर्ट को देखते हुए लिया गया है। बता दें कि अलग-अलग जिलों में पहाड़ी इलाकों में बारिश के कारण तबाही आई हुई है। कहीं सड़कों पर मलबे गिर रहे हैं, तो कहीं बड़े-बड़े बोल्डर। ऐसे में हाईवे बंद हो गए हैं। जिसके चलते हजारों श्रद्धालु फंसे हुए हैं। इस बीच मौसम विभाग ने भारी बारिश को लेकर अलर्ट भी जारी कर दिया है। इसी अलर्ट को देखते हुए प्रशासन ने एहतियात बरता है। चमोली में चार धाम यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर रोका गया है। बद्रीनाथ, पांडुकेश्वर, चमोली, जोशीमठ ,कर्णप्रयाग में सभी यात्री रोके गये हैं। पीपलकोटी में भी कुछ तीर्थयात्री रोके गए हैं। लगातार हो रही है बारिश के बाद यात्रा रोकने का फैसला लिया गया है। तीर्थ यात्रियों के जोशीमठ से आगे नहीं जाने दिया जाएगा। लैंडस्लाइड की वजह से जगह-जगह यात्री फंस रहे हैं। पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार ने जानकारी दी है। इस बीच मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून द्वारा मौसम पूर्वानुमान भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। चारधाम यात्रा को अगले 24 घंटों के लिए रोका गया है। जनपद में तीर्थ यात्रियों को सुरक्षित स्थानों में रुकवाने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों को हरिद्वार, ऋषिकेश, श्रीनगर, रुद्रप्रयाग, सोनप्रयाग और विकासनगर में तीर्थयात्रियों को रोकने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं पहाड़ों पर लगातार हो रही बारिश से गंगा का जलस्तर बढ़ गया है। ऋषिकेश में गंगा वार्निंग लेबल से 65 सेंटीमीटर नीचे बह रही हैं। प्रमुख घाटों तक गंगा जी का पानी पहुंच गया है। प्रमुख गंगा घाटों के प्लेटफॉर्म जल में डूबने लगे हैं, जिससे मैदानी इलाकों में गंगा बढ़ा जल मुसीबत बढ़ा सकता है। वहीं देर रात से हो रही भारी बारिश के चलते रुद्रप्रयाग जिले कई जगह भारी नुकसान हुआ है। जखोली के बांगर क्षेत्र में बारिश से जमकर तबाही हुई है। बांगर पट्टी की आवाजाही वाले मुख्य मयाली-रणधार मोटरमार्ग पर पोंठी और मुन्याघर के बीच में स्थित मोटरपुल बह गया है। पूरी पट्टी की आवाजाही बंद हो गयी है और लोग घरों में कैद हो गये हैं। इसके अलावा क्षेत्र के जखवाड़ी तल्ली थापला में भी नुकसान हुआ है। वहीं तहसील मुख्यालय बसुकेदार के क्यार्क बरसूड़ी के नजदीक बिजली गिरने से गुप्तकाशी जखोली मोटर मार्ग का लगभग बीस मीटर हिस्सा वासआउट जो गया, जिससे सड़क बाधित हो गयी है।

दुनिया का करोड़पति भिखारी

मुंबई।

भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई में दुनिया का ऐसा अनोखा भिखारी है। जो लगभग 7.5 करोड रुपए की संपत्ति का मालिक है। 40 साल से वह भीख मांगने का धंधा कर रहा है। इसकी संपत्ति मुंबई में लगभग 7.5 करोड रुपए की है। यह अमीर भिखारी भरत जैन के नाम से जाना जाता है। जैन समुदाय के लोग कभी भीख नहीं मांगते है। यह जैन भीख मांगने का धंधा करता है। इसने पिछले 40 वर्षों में करोड़ों रुपए की संपत्ति अर्जित की है। मुंबई के दो फ्लैट में इसका परिवार रहता है। जिनकी कीमत 1.4 करोड रुपए है। ठाणे के एक बहुत बडे कामर्शियल स्पेस का मालिक है। किराए के माध्यम से हजारों रुपए महीने की आय है। हजारों रुपए रोज यह भीख मे कमाता है। इसके बच्चे मुंबई के महंगे कान्वेंट स्कूल में पढ़ रहे हैं। भीख का धंधा होने के कारण इसका कोई खर्च नहीं है। भीख की कमाई को जोड़ जोड़कर यह करोड़पति भिखारी बन गया।

उत्तरकाशी में तबाहीः बड़कोट में बादल फटे, बाढ़ में 8 से 9 मजदूर बह गए, तलाश जारी

देहरादून।

उत्तरकाशी जिले के बड़कोट तहसील क्षेत्र में सिलाई बैंड के पास बादल फटने की घटना से हड़कंप मच गया। घटना के बाद क्षेत्र में भारी तबाही की खबर हैं। प्रशासन ने बताया गया कि, सिलाई बैंड के पास रात 3ः12 बजे बादल फटने की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद आपातकालीन परिचालन केंद्र की तरफ से राजस्व विभाग, एसडीआरएफ और पुलिस टीम रवाना की गई है। सिलाई बैंड के पास 19 मजदूर रहते थे, जिसमें से 9 मजदूरों के लापता होने की सूचना है। एसडीआरएफ, पुलिस राजस्व विभाग की टीमें लापता लोगों के लिए तलाशी अभियान चल रही हैं। वहीं 10 मजदूरों को सुरक्षित स्थान पर लाया गया है। उत्तरकाशी में स्थानीय प्रशासन ने बताया कि यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग सिलाई बैंड के पास दो-तीन स्थानों पर मलबा और पानी आने से बाधित हो गया है। इस संबंध में एनएच विभाग को सूचित कर दिया गया है ताकि यातायात बहाल किया जा सके। इसके अलावा कुथनौर गांव में भी बादल फटने के चलते हुए भूस्खलन से कृषि भूमि को नुकसान पहुंचा है। प्रशासन का कहना है कि लापता मजदूरों की तलाश तेज कर दी गई है और स्थानीय लोगों से भी सहयोग लिया जा रहा है। प्रभावित क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी जा रही है और एहतियाती उपाय भी किए जा रहे हैं। बादल फटने के अलावा, राज्य भर में लगातार बारिश के कारण काफी नुकसान पहुंचा है। नंदप्रयाग और भनेरोपानी के पास राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हो गया है, जबकि रुद्रप्रयाग जिले के अधिकारियों को इस सप्ताह की शुरुआत में भूस्खलन और मलबा गिरने के कारण सोनप्रयाग-मुनकटिया मार्ग पर आवाजाही रोकनी पड़ी। केदारनाथ जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए यह विशेष मार्ग महत्वपूर्ण है। सोनप्रयाग शटल पुल और मुनकटिया स्लाइडिंग जोन के पास इसे पूरी तरह से बंद कर दिया गया है, जिससे तीर्थयात्रियों को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सोनप्रयाग और गौरीकुंड में अस्थायी रूप से रोकना पड़ा है। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग भी सिलाई बैंड के पास दो से तीन स्थान बाधित हुआ है।

बिहार ही नहीं भाई....पूरे देश में नई मतदाता सूची तैयार कराएगा चुनाव आयोग

इसी साल अगस्त-सितंबर से शुरू किया जा सकता

नई दिल्ली।

जिस तरह से बिहार के लिए डोर-टु-डोर सर्वे करके नई वोटर लिस्ट बनाने का काम शुरू हुआ है। ठीक इसी तर्ज पर चुनाव आयोग पूरे देश के लिए नई वोटर लिस्ट तैयार कराएगा, ताकि देश के सभी राज्यों की वोटर लिस्टों से डुप्लिकेट, फेक, शिफ्ट और मृत वोटरों को हटकर और जो नए वोटर हैं, उन्हें जोड़ा जा सके। उम्मीद है कि बड़े स्तर पर यह काम इसी साल अगस्त-सितंबर से शुरू किया जा सकता है। चुनाव आयोग के अधिकारियों का कहना है कि जिस तरह से देशभर में अलग-अलग राज्यों से मतदाता सूची में तरह-तरह की समस्याओं की खबरें सामने आती है। यह देखकर जरूरी है कि पूरे देश की वोटर लिस्ट को एकदम फ्रेश और नया बनाया जाए, ताकि हर राज्य की वोटर लिस्ट में असली वोटर ही रहे। बाकी एक से अधिक राज्यों की वोटर लिस्ट में नाम वाले वोटर, डेथ हो चुके वोटर, एक राज्य से दूसरे राज्य में शिफ्ट हो चुके, विदेशी नागरिकता पाने वाले या किसी भी रूप में फर्जीवाड़े से नाम जुड़वा चुके फेक वोटरों के नाम सूची से काट दिए जाएंगे। लेकिन इसका मतलब यह नहीं होगा कि देश के नागरिक किसी भी वोटर का नाम लिस्ट से काट दिया जाएगा। अगर गलती से किसी का नाम कट जाएगा, तब वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट पब्लिकेशन करने के बाद उन्हें अपील का मौका मिलेगा। जिसके बाद जांच करके अगर किसी सही वोटर का नाम वोटर लिस्ट से कट भी गया है, तब उसका नाम फिर से वोटर लिस्ट में जोड़ा जाएगा। आयोग अधिकारियों ने बताया कि जिस तरह से बिहार की वोटर लिस्ट को स्पेशल इंसेंटिव रिवीजन (एसआईआर) के तहत अपडेट किया जा रहा है। ठीक इस तरह से अन्य राज्यों की मतदाता सूची को भी पूरी तरह से फ्रेश करने के लिए स्पेशल इंसेंटिव रिवीजन किया जाएगा। बिहार के लिए वोटर लिस्ट को अपडेट करने एक जनवरी 2003 की कट ऑफ डेट मानी गई है। इससे पहले इस डेट तक ही बिहार को वोटर लिस्ट के लिए स्पेशल इंसेंटिव रिवीजन किया गया था। इसतरह से दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश सहित देश के बाकी अन्य तमाम राज्यों के लिए भी यह स्पेशल इंसेंटिव रिवीजन वाली कट ऑफ डेट रखी जाएगी। जिस भी राज्य में 2001,2002, 2003 या 2004 के अलावा जिस भी साल में इस तरह का स्पेशल इंसेंटिव रिवीजन हुआ होगा।

बस एक बटन दबते ही हो जाएगा मानवता का विनाश?

दुनिया में युद्ध और तनाव के चलते विशेषज्ञों ने दी चेतावनी

नई दिल्ली।

रुस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-ईरान तनाव और वैश्विक अस्थिरता से दुनिया जूझ रही है।

वहीं परमाणु हथियारों की होड़ मची है। वैज्ञानिक और सुरक्षा विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि यदि यह रफ्तार जारी रही तो मानवता फिर से उसी विनाशकारी दौर में पहुंच जाएगी, जहां सिर्फ एक बटन बदते ही पूरी दुनिया तबाह हो जाएगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2025 की शुरुआत तक दुनिया में कुल 12,241 परमाणु हथियार हैं, जिनमें से करीब 9,600 हथियार सक्रिय सैन्य स्टॉक में हैं यानी किसी भी वक्त इस्तेमाल किए जा सकते हैं। इन हथियारों में से ज्यादातर अमेरिका और रूस के पास हैं, जो मिलकर दुनिया के 87 फीसदी परमाणु जखीरे पर नियंत्रण रखते हैं। इनके अलावा ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल जैसे देश भी इसमें शामिल हैं। इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह है कि इन हथियारों में से कई ऐसे ठिकानों पर रखे गए हैं जिनका कोई रिकॉर्ड नहीं है। ये अंडरग्राउंड बंकरों, गुप्त सैन्य ठिकानों और समुद्र के नीचे तैनात परमाणु पनडुब्बियों में लगातार सक्रिय हैं और इनकी निगरानी गोपनीय तरीके से की जा रही है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिका ने अपने कई परमाणु हथियार न केवल खुद की धरती पर बल्कि यूरोप के कई देशों जैसे जर्मनी, बेल्जियम, नीदरलैंड, इटली और तुर्की में भी तैनात कर रखे हैं।

ये हथियार आम तौर पर दिखाई नहीं देते, क्योंकि इन्हें एयरबेस के नीचे बने बंकरों में रखा गया है। वहीं रूस ने हाल ही में बेलारूस में टैक्टिकल न्यूक्लियर हथियार तैनात करने की बात कही थी, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है। चीन और उत्तर कोरिया जैसे देशों का परमाणु नेटवर्क तो पूरी तरह गोपनीय है, जिससे इनके इरादों का अनुमान लगाना बहुत मुश्किल है। इजराइल ने भी रहस्यमयी ढंग से इन्हें छिपा रखा है। यह दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जिसने न तो अपने पास परमाणु हथियार होने की पुष्टि की है और न ही इसका खंडन किया है।

विशेषज्ञ मानते हैं कि इजराइल के पास करीब 90 परमाणु हथियार हैं, जो नेगेव रेगिस्तान, डिमोना परमाणु केंद्र और अन्य अज्ञात जगहों पर छिपा कर रखे गए हैं। इसे रणनीतिक अस्पष्टता कहा जाता है, जिससे दुश्मनों को भ्रम में रखा जाता है।

एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया एक बार फिर उसी परमाणु युग में लौट रही है, जो कभी 1960 और 70 के दशक में देखा गया था। फर्क सिर्फ इतना है कि अब ये हथियार छोटे, स्मार्ट और कहीं ज्यादा खतरनाक हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अब परमाणु हथियार डर पैदा करने की बजाय असुरक्षा की भावना को जन्म दे रहे हैं।

वजीरिस्तान हमले को लेकर पाकिस्तान पर बरसा भारत

नई दिल्ली।

पाकिस्तान ने वज़ीरिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा इलाके में हुए आत्मघाती हमले के लिए भारत को ज़िम्मेदार ठहराने की कोशिश की थी, जिसे भारत ने सख्त शब्दों में खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा, हमने पाकिस्तान सेना का एक आधिकारिक बयान देखा है, जिसमें 28 जून को वज़ीरिस्तान में हुए हमले के लिए भारत को दोषी ठहराया गया है। हम इस तरह के आरोपों को पूरी तरह से नकारते हैं और इन्हें पूरी तरह से अस्वीकार करते हैं। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शनिवार सुबह एक आत्मघाती हमले में कम से कम 13 सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई और 24 अन्य घायल हो गए। यह हमला उत्तर वज़ीरिस्तान के मीर अली इलाके के खड्डी गांव में हुआ। सुरक्षा सूत्रों के मुताबिक, बम से लदी एक गाड़ी को आत्मघाती हमलावर ने बम निरोधक दस्ते के एक माइन-रेज़िस्टेंट एम्बुश प्रोटेक्टेड वाहन से टकरा दिया। विस्फोट इतना जबरदस्त था कि आसपास का इलाका भी प्रभावित हो गया। घायलों में 14 आम नागरिक भी शामिल हैं, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी हैं। कई लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

ट्रेन में नहीं चल रहा एसी, कोई बात नहीं आईआरसीटीसी पूरा पैसा रिफंड देगा

नई दिल्ली।

देश के करोड़ रेल यात्रियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। भारतीय रेलवे की टिकट बुकिंग वेबसाइट आईआरसीटीसी ने एक नई सुविधा शुरू की है। अब अगर आपकी ट्रेन लेट होती है या एसची कोच में ठंडक नहीं मिलती, तब आपको पूरा टिकट का पैसा वापस मिल सकता है। यह फैसला यात्रियों की परेशानी को कम करने के लिए हुआ है। दरअसल कई बार लोग ट्रेन में देरी या एससी न चलने की शिकायत करते हैं, लेकिन अब आईआरसीटीसी ने उनकी मदद के लिए यह कदम उठाया है। आईआरसीटीसी की नई पॉलिसी यात्रियों को राहत देगी। मान लीजिए आप दिल्ली से मुंबई जा रहे हैं, और ट्रेन 5 घंटे लेट होती है, या एससी कोच में ठंडक नहीं मिलती। पहले आपको सिर्फ आंशिक रिफंड मिलता था, लेकिन अब अगर ये दिक्कतें होती हैं, तब पूरा टिकट का पैसा वापस मिलेगा। यह सुविधा खास तौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो लंबी यात्रा करते हैं और समय की कीमत समझते हैं। ट्रेन अगर 3 घंटे से ज्यादा लेट होती है। एससी कोच में ठंडक 2 घंटे से ज्यादा समय तक न मिले। तब आपको आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शिकायत दर्ज करानी होगी। रिफंड के लिए 24 घंटे के अंदर अप्लाई करना जरूरी है। रिफंड लेना बहुत आसान है, और इसके लिए आपको आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर जाना होगा। फिर रिफंड या परेशानी ऑप्शन ढूंढें और क्लिक करें। अपनी टिकट का पीएनआर नंबर, यात्रा की तारीख, और परेशानी (ट्रेन लेट या एसी खराब) बताएं।

रथ यात्रा के दौरान हादसाः गुंडिचा मंदिर के पास भगदड़ मचने से 3 लोगों की मौत

पुरी।

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान भारी भीड़ जुटी। लाखों भक्त इस यात्रा में शामिल हुए। एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ में कुछ लोग गिर पड़े, इसी दौरान भगदड़ मच गई और तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हैं। हादसा सुबह करीब 4ः30 बजे हुआ, जब भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की मूर्तियों को ले जा रहे तीन रथ जगन्नाथ मंदिर से करीब तीन किलोमीटर दूर श्री गुंडिचा मंदिर के पास थे। रथों को शुक्रवार शाम तक गुंडिचा मंदिर पहुंचना था, लेकिन भगवान बलभद्र के तलध्वज रथ के एक मोड़ पर अटकने के कारण रथों को ग्रांड रोड पर रोकना पड़ा। इससे अन्य दो रथ भी आगे नहीं बढ़ सके। हालांकि, पहांदी जैसे अधिकांश अनुष्ठान जगन्नाथ मंदिर प्रशासन के निर्धारित समय पर पूरे हुए, लेकिन रथ खींचने में काफी देरी हुई, जिससे भक्तों में नाराजगी देखी गई। भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथ (तलध्वज और दर्पदलन) बीच रास्ते में रुक गए, जबकि भगवान जगन्नाथ का रथ (नंदीघोष) सिंहद्वार से थोड़ा आगे बढ़कर रुक गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, गुंडिचा मंदिर के पास भारी भीड़ दर्शन के लिए जुटी थी। भीड़ बढ़ने पर कुछ लोग गिर गए, जिससे भगदड़ शुरू हो गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में दो महिलाएं- प्रभाती दास और बसंती साहू शामिल हैं। इसके अलावा, 70 वर्षीय प्रेमकांत मोहंती की भी मौत हुई है। ये तीनों खुरदा जिले के रहने वाले थे और रथ यात्रा के लिए पुरी आए थे। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने शुक्रवार को कहा कि सभी अनुष्ठान समय पर पूरे होने के बाद दोपहर 4 बजे रथ खींचना शुरू हुआ था, लेकिन बदा दांडा (ग्रांड रोड) के प्रमुख मोड़ों पर समस्याओं और पिछले वर्षों की तुलना में 1.5 गुना अधिक भक्तों की भीड़ के कारण व्यवधान हुआ।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जगन्नाथ रथ यात्रा है भगवान को पाने का पर्व

(लेखक - संजय गोस्वामी)

हर साल आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली जाती है।देवताओं की मूर्तियों को तीन विशाल रथों में ले जाया जाता है जिन्हें उत्साहित भक्त खींचते हैं। यह उत्सव आषाढ़ (जून-जुलाई) महीने के पखवाड़े के दूसरे दिन शुरू होता है और नौ दिनों तक चलता है। इस यात्रा को रथ महोत्सव और गुंडिचा यात्रा के नाम से जाना जाता है। पंचांग के अनुसार, 2025 में तिथि 26 जून को दोपहर 1:24 बजे से शुरू हुआ और पुरे देश मेँ धूमधाम से मनाई जा रही है जो 5मई तक चलेगा । पूरी के जगन्नाथपूरी मेँ कहा जाता की भगवान श्री कृष्ण का दिल है दरअसल जब महाभारत मेँ गांधारी जो एक पतिव्रता स्त्री थी गांधारी ने महाभारत मेँ कौरवों के नाश के बाद भगवान श्री कृष्ण को श्राप दिया था जिस तरह मेरे सारे पुत्रों कृष्ण के उकसाने पर मारे गए हैं तो तुम्हारे वंश का भी विनाश होगा भगवान कृष्ण चाहते तो इसे बचा सकते थे और कहा जाता है कि द्वारिका नगरी समुद्र मेँ डूब गई और भगवान श्री कृष्ण किसी जंगल मेँ सोये थे तो किसी जंगल मेँ जानवर का एक शिकारी ने हिरण के शिकार के भ्रम मेँ भगवान श्री कृष्ण के पाँव मेँ तीर लग गई और तब शिकारी ने कहा कि गलती से भगवान ये बाण लगा मुझे माफ करें तब उन्होंने बताया की यह होना तय था और पिछले जन्म मेँ तुम बाली थे और मैं भगवान श्री राम और मैंने तुम्हे धोखे से मारा था उसके बाद भगवान कृष्ण ने प्राण त्याग दिए और पांडवों ने भगवान कृष्ण का अंतिम संस्कार किया था।जिसमें अस्थि के साथ उनका दिल भी था समुद्र मेँ प्रवाहित कर दि एक पौराणिक कथा के अनुसार, राजा इंद्रद्युम्न को स्वप्न में भगवान कृष्ण ने दर्शन दिए और अपनी अस्थियों वाला एक संदूक जिसमें दिल भी था जो पुरी में समुद्र किनारे मिलने की बात बताई। भगवान ने राजा को उस संदूक को उसी स्थान पर रखकर उसके ऊपर एक मंदिर बनवाने का आदेश दिया, जिसका नाम जगन्नाथ होगा। भगवान ने यह भी कहा कि मंदिर में कोई मूर्ति नहीं होगी और एक विद्वान को रखा जाएगा जो पवित्र गीता के अनुसार ज्ञान का प्रचार करेगा। राजा ने भगवान से मंदिर के स्थान को दिखाने का अनुरोध किया, और भगवान ने उन्हें वह स्थान दिखायाइस मंदिर का सबसे पहला प्रमाण महाभारत के वनपर्व में मिलता है। कहा जाता है कि सबसे पहले सबर आदिवासी विश्वावसु ने नीलमाधव के रूप में इनकी पूजा की थी। आज भी पुरी के मंदिरों में कई सेवक हैं जिन्हें दैतापति के नाम से जाना जाता है।

राजा इंद्रद्युम्न मालवा का राजा था जिनके पिता का नाम भारत और माता सुमति था। राजा इंद्रद्युम्न को सपने में हुए थे जगन्नाथ के दर्शन। कई ग्रंथों में राजा इंद्रद्युम्न और उनके यज्ञ के बारे में विस्तार से लिखा है। उन्होंने यहां कई विशाल यज्ञ किए और एक सरोवर बनवाया। एक रात भगवान विष्णु ने उनको सपने में दर्शन दिए और कहा नीलांचल पर्वत की एक गुफा में मेरी एक मूर्ति है उसे नीलमाधव कहते हैं। तुम एक मंदिर बनवाकर उसमें मेरी यह मूर्ति स्थापित कर दो। राजा ने अपने सेवकों को नीलांचल पर्वत की खोज में भेजा। उसमें से एक था ब्राह्मण विद्यापति।

विद्यापति ने सुन रखा था कि सबर कबीले के लोग नीलमाधव की पूजा करते हैं और उन्होंने अपने देवता की इस मूर्ति को नीलांचल पर्वत की गुफा में छुपा रखा है। वह यह भी जानता था कि सबर कबीले का मुखिया विश्वेवसु नीलमाधव का उपासक है और उसी ने मूर्ति को गुफा में छुपा रखा है। चतुर विद्यापति ने मुखिया की बेटी से विवाह कर लिया। आखिर में वह अपनी पत्नी के जरिए नीलमाधव की गुफा तक पहुंचने में सफल हो गया। उसने मूर्ति चुरा ली और राजा को लाकर दे दी।

विश्वचवसु अपने आराध्य देव की मूर्ति चोरी होने से बहुत दुखी हुआ। अपने भक्त के दुख से भगवान भी दुखी हो गए। भगवान गुफा में लौट गए, लेकिन साथ ही राज इंद्रद्युम्न से वादा किया कि वो एक दिन उनके पास जरूर लौटेंगे बशर्ते कि वो एक दिन उनके लिए विशाल मंदिर बनवा दे। राजा ने मंदिर बनवा दिया और भगवान विष्णु से मंदिर में विराजमान होने के लिए कहा। भगवान ने कहा कि तुम मेरी मूर्ति बनाने के लिए समुद्र में तैर रहा पेड़ का बड़ा टुकड़ा उठाकर लाओ, जो द्वारिका से समुद्र में तैरकर पुरी आ रहा है। राजा के सेवकों ने उस पेड़ के टुकड़े को तो ढूंढ लिया लेकिन सब लोग मिलकर भी उस पेड़ को नहीं उठा पाए। तब राजा को समझ आ गया कि नीलमाधव के अनन्य भक्त सबर कबीले के मुखिया विश्वूवसु की ही सहायता लेना पड़ेगी। सब उस वक्त हैरान रह गए, जब विश्ववसु भारी-भरकम लकड़ी को उठाकर मंदिर तक ले आए।

अब बारी थी लकड़ी से भगवान की मूर्ति गढ़ने की। राजा के कारीगरों ने लाख कोशिश कर ली लेकिन कोई भी लकड़ी में एक छैनी तक भी नहीं लगा सका। तब तीनों लोक के कुशल कारीगर भगवान विश्वेकर्मा एक बूढ़े व्यक्ति का रूप धरकर आए। उन्होंने राजा को कहा कि वे नीलमाधव की मूर्ति बना सकते हैं, लेकिन साथ ही उन्होंने अपनी शर्त भी रखी कि वे 21 दिन में मूर्ति बनाएंगे और अकेले में बनाएंगे। कोई उनको बनाते हुए नहीं देख सकता। उनकी शर्त मान ली गई। लोगों को आरी, छैनी, हथौड़ी की आवाजें आती रहीं। राजा इंद्रद्युम्न की रानी गुंडिचा अपने को रोक नहीं पाई। वह दरवाजे के पास गई तो उसे कोई आवाज सुनाई नहीं दी। वह घबरा गई। उसे लगा बूढ़ा कारीगर मर गया है। उसने राजा को इसकी सूचना दी। अंदर से कोई आवाज सुनाई नहीं दे रही थी तो राजा को भी ऐसा ही लगा। सभी शर्तों और चेतावनियों को दरकिनार करते हुए राजा ने कमरे का दरवाजा खोलने का आदेश दिया।जैसे ही कमरा खोला गया तो बूढ़ा व्यक्ति गायब था और उसमें 3 अधूरी मूर्तियां मिली पड़ी मिलीं। भगवान नीलमाधव और उनके भाई के छोटे-छोटे हाथ बने थे, लेकिन उनकी टांगें नहीं, जबकि सुभद्रा के हाथ-पांव बनाए ही नहीं गए थे। राजा ने इसे भगवान की इच्छा मानकर इन्हीं अधूरी मूर्तियों को स्थापित कर दिया। तब से लेकर आज तक तीनों भाई बहन इसी रूप में विद्यमान हैं लेकिन भगवान कृष्ण के दिल को अग्नि देवता ने कुछ नहीँ किया क्योंकि ऐसा करने पर संपूर्ण जगत का विनाश हो जाता और अस्थि विसर्जन मेँ दिल भी नदी मेँ प्रवाहित हो गईकि पद्म पुराण की मानें तो एक बार भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा ने नगर देखने की इच्छा जाहिर की।

इसके लिए भगवान जगन्नाथ ने सुभद्रा को रथ पर बैठाकर नगर दिखाया। इस दौरान वह अपनी मौसी के घर भी गए। जहां वह सात दिन तक रुके। मान्यता है कि तभी से हर साल भगवान जगन्नाथ निकालने की परंपरा जारी है।ज्येष्ठ मास में गर्मी का आरम्भ होता है, अतः पुरी में श्रीजगन्नाथ जी के चतुर्धा विग्रह को स्नान कराया जाता है। 108 घड़ों से स्नान के बाद उनको ज्वर हो जाता है, तथा 15 दिन बीमार रहने पर उनकी चिकित्सा होती है। उसके बाद आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को वे घूमने निकलते हैं। 3 रथों में जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा गुण्डिचा मन्दिर तक जाते हैं तथा 9 दिन बाद दशमी को लौटते हैं जिसे बाहुड़ा कहते हैं। लौटने को बहोर कहते हैं-गयी बहोर गरीब नेवाजू सरल सबल साहिब रघुराजू। (रामचरितमानस, बाल काण्ड, 12/4)। चान्द्र मास में भी जब अमावास्या के बाद चन्द्र सूर्य से दूर जाता है तब शुक्ल पक्ष की शुद्ध तिथि होती है। जब सूर्य के निकट लौटता है तब बहुल तिथि होती है।परब्रह्म के अव्यय पुरुष रूप को जगन्नाथ कहा गया है। इसे गीता (15/1) में विपरीत वृक्ष कहा गया है। भगवान बलभद्र को बलराम, दाऊ और बलदाऊ के नाम से भी जाना जाता है। बागियों में श्रेष्ठ होने के कारण इन्हें बलभद्र भी कहा जाता है। बलभद्र को शेषनाग के नाम से जाना जाता है और भगवान जग अर्थात श्री कृष्ण को भगवान कृष्ण का अवतार माना जाता है।. कहा जाता है कि जब कंस ने देवकी-वसुदेव के छह पुत्रों को मार डाला था, तब देवकी के गर्भ से शेषावतार और भगवान बलराम का जन्म हुआ था। योगी आदित्यनाथ ने उन्हें आकर्षित कर नंद बाबा के यहां रह रही श्री रोहिणी जी के गर्भ में निषेचित करवा दिया था। इसलिए उनका नाम संकर्षण पड़ा। श्री कृष्ण और बलराम की माताएं अलग-अलग हैं, लेकिन वे एक ही हैं। ध्यान से देखा जाए तो वे पहले देवकी के गर्भ में थे। बलराम सत्ययुग के राजा कुकुदनी की पुत्री रेवती के वंशज थे। रेवती बलराम से काफी लंबी थी, इसलिए बलराम ने उसे अपने हल से पराजित कर दिया था। संसार की रथयात्रा में बलभद्र का भी रथ है। वे गदा धारण करते हैं। बलराम ने अपनी गदा से योगेन्द्र और भीम दोनों को मार डाला था। कौरव और पांडव दोनों ही उनके बराबर थे, इसलिए उन्होंने युद्ध में भाग नहीं लिया। मौसूलम युद्ध में यवंश के विनाश के बाद बलराम ने समुद्र तट पर बैठकर अपने प्राण त्याग दिए।सुभद्रा श्री कृष्ण की बहन भी थीं। बलराम चाहते थे कि सुभद्रा का विवाह कौरव कुल में हो। बलराम के हठ के कारण कृष्ण ने सुभद्रा का अर्जुन से हरण करवा दिया। बाद में अर्जुन का विवाह सुभद्रा से राका में हुआ।. विवाह के बाद वे एक वर्ष तक राका में रहे और शेष समय पुकुर में बिताया। 12 वर्ष पूरे होने पर वे सुभद्रा के साथ इंद्रप्रस्थ लौट आए।. सुभद्रा का पुत्र अमौध था, जिसे युद्ध में फंसने के कारण धन, कर्ण समेत कुल के आठ लोगों ने मार डाला था। अमौध की पत्नी उर थी, जिसके गर्भ से पार्वती का जन्म हुआ और पार्वती के पुत्र जनमेजय थे कहा जाता है कि नरकासुर का वध करने के बाद भगवान कृष्ण अपनी बहन सुभद्रा के घर उसके भाई को लेने गए थे। सुभद्रा ने उनका स्वागत किया और अपने हाथों से उन्हें भोजन कराया और उनके गले में एक ताला डाल दिया। पुरी में जगत की यात्रा में भगवान कृष्ण के साथ बलराम और सुभद्रा दोनों की मूर्तियां रखी जाती हैं। सुभद्रा वसुदेव की पत्नी रोहिणी की पुत्री थीं, जबकि श्रीकृष्ण वसुदेव की पत्नी देवकी के पुत्र थे। इस तरह श्रीकृष्ण और सुभद्रा के पिता एक ही थे लेकिन माताएं अलग-अलग थीं। फिर भगवान जगत को बड़े भाई बलराम जी और बहन सुभद्रा के साथ राणा हाउस से नीचे उतारकर मंदिर के पास बने नान मंडप में ले जाया जाता है। उन्हें 108 कलशों से स्नान कराया जाता है। मान्यता है कि इस स्नान से भगवान बीमार हो जाते हैं और वे पुनः स्वस्थ हो जाते हैं।

संपादकीय

फिर भी भारत बेटों पर मोहित

देशकाल-परिस्थितियों और बदलती जरूरतों के अनुरूप वैश्विक स्तर पर एक सूक्ष्म, लेकिन महत्वपूर्ण बदलाव दृष्टिगोचर हो रहा है। यह बदलाव लिंग प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में आ रहे परिवर्तन का है। जैसा कि हाल ही में 'द इकनॉमिस्ट' द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि लड़कों के प्रति सदियों पुराना झुकाव अब कम हो रहा है। दुनियाभर में, अतिरिक्त पुरुष जन्म की संख्या- जो वर्ष 2000 में 1.7 मिलियन तक अधिक थी, साल 2025 तक लगभग दो लाख तक गिर गई है। निस्संदेह, यह प्रजनन विकल्पों में एक अप्रत्याशित बदलावों का संकेत है। यहां तक कि दक्षिण कोरिया और चीन में, लिंग अनुपात सामान्य या यहां तक कि बेटी की पसंद के संकेत दिखाने लगा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस बदलाव की असल वजह क्या हैज दरअसल, माता-पिता में यह धारणा बलवती होती जा रही है कि बेटियां उनकी ढलती उम्र में धीरे-धीरे अधिक विश्वसनीय देखभाल करने वाली साबित हो सकती हैं। उन्हें परिवार से गहरे तक जुड़े रहने की अधिक संभावना के रूप में देखा जाने लगा है। आज बेटियों को बेटों के मुकाबले बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शनकर्ता के रूप में देखा जा सकता है। तेजी से कामकाजी दुनिया का हिस्सा बनने के कारण वह आर्थिक रूप से स्वावलंबी होती जा रही है। बल्कि कई देशों में तो महिलाओं की बैचलर डिग्री की संख्या तक पुरुषों की तुलना में अधिक है। पश्चिमी देशों में गोद लेने और आईवीएफ के डेटा दिखाते हैं कि बेटियों को चुनने की दिशा में स्पष्ट झुकाव है। दरअसल, पश्चिमी देशों के एकल परिवारों में बेटे अपनी गृहस्थी बसाकर मां-बाप को उनके भाग्य पर छोड़ जाते हैं। ऐसा माना जाने लगा है कि बेटियां बेटों के मुकाबले में ज्यादा संवेदनशील होती हैं और जीवन के अंतिम पड़ाव में मां-बाप को सुरक्षा कवच प्रदान कर सकती हैं। जिसके चलते लोग बेटों के मुकाबले बेटियों को अपनी प्राथमिकता बनाने को तरजीह देने लगे हैं। वहीं भारत में परिस्थितियां एक जटिल तसवीर प्रस्तुत करती हैं। यूं तो सदियों से भारत का समाज पुत्र मोह की ग्रंथि से ग्रस्त रहा है। हालांकि, अब आधिकारिक आंकड़े बता रहे हैं कि देश में शिशु लिंग अनुपात दर में सुधार हुआ है। लेकिन लिंग चयन के लिये किए जाने वाले गर्भपात पर शासन व प्रशासन की कानूनी सख्ती और जागरूकता अभियानों के बावजूद परंपरागत रूप से समाज में गहरी जड़ें जमाने वाला बेटा मोह अब भी प्राथमिकता बना हुआ है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5(2019-21) का सर्वे चिंता बढ़ाने वाला है। सर्वे के अनुसार, लगभग 15 फीसदी भारतीय माता-पिता अभी भी बेटियों की तुलना में बेटों की आकांक्षा रखते हैं। यही वजह है कि हरियाणा,पंजाब और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में विषम शिशु लिंगानुपात चिंता का विषय बना हुआ है। इसके अलावा, भारत में बेटी वरीयता, जहां यह मौजूद है, अक्सर सशर्त होती है। लड़कियों को भावनात्मक लगाव या घरेलू स्थिरता के लिये तो महत्व दिया जा सकता है, लेकिन जरूरी नहीं कि पोषण, शिक्षा या विरासत तक उन्हें समान पहुंच दी जाए। भारतीय समाज में दहेज जैसी सांस्कृतिक प्रथाएं आज भी बेटी के माता-पिता की बड़ी चिंता बनी रहती हैं। परंपरावादी समाज में यह धारणा बलवती रही है कि बेटियां दूसरे परिवार की हैं। यही वजह है कि ग्रामीण और शहरी गरीब समुदायों में लड़कियां हाशिये पर रख जाती हैं। लेकिन इसके बावजूद भारत को लिंग समानता के वैश्विक आंदोलन की किसी भी तरह अनदेखी नहीं करनी चाहिए।

जगन्नाथ की त्रिभुवन में महिमा -

(लेखिका - डॉ. रीना रवि मालपानी)

जगन्नाथ भगवान रथ पर आरूढ़, भक्तों को मनोवांछित फल प्रदान करने वाले नीलांचल अर्थात पुरी में निवास करने वाले नारायण श्री हरि कृष्ण स्वरुप जगत कल्याण के लिए रथ पर सवार होकर भक्तों को आशीर्वाद प्रदान करते है। कृष्ण नाम तो मोक्ष प्राप्ति का सहज एवं सरल मार्ग है। भक्तों के संरक्षक पालनकर्ता भाई बलभद्र और लाड़ली सुभद्रा के साथ भ्रमण पर निकले है। सनातन धर्म में चार धाम यात्रा का उल्लेख है, जिनमें चार स्थान श्री हरि विष्णु नारायण ने विभिन्न कार्यों के लिए चयनित किए है। उत्तर में बद्रीनाथ में प्रभु की ध्यान स्थली है। दक्षिण में रामेश्वर में प्रभु स्नान करते है। पश्चिम में द्वारिका में विश्राम करते है एवं पूर्व में जगन्नाथ पुरी में भोजन ग्रहण करते है। प्रभु ने भक्तों के मनोरथ पूर्ण करने के लिए और असीम श्रृद्धा भक्ति के लिए चारों दिशाओं को चयनित किया है जिससे भक्त सहज ही ईश्वरीय आराधना से जुड़ सकें। विष्णु श्री हरि नारायण वही स्वरुप है जो कृष्ण बनकर देने पर आ जाए तो तीन मुट्ठी चावल में तीनों लोक प्रदान कर दे और जब वामन स्वरुप में आ जाए तो तीन पग से तीनों लोक नाप ले। प्रभु की प्रत्येक लीला भक्त के ईश्वर के प्रति असीम विश्वास को उजागर करती है।

जगन्नाथ पुरी धाम में प्रथम भवन नीलांचल है जिसमें भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के साथ निवास करते है और दूसरा है सुन्दरांचल जिसमें गुंडीचा मंदिर है। भगवान जगन्नाथ स्वरुप में भक्तों के भाव वाला भोजन ग्रहण कर उन्हें भावों की माला से जोड़ते है। अपनी माया से छप्पन भोग प्रकट करने वाले जगत के नाथ जगन्नाथ भक्त के अनुग्रह पर भोग ग्रहण कर तृप्ति का अनुभव करते है। प्रभु के विभिन्न स्वरुप में प्रत्येक समय ईश्वर की असीम भक्ति से जुड़ने का सन्देश देते है। नीलांचल में विराजमान भगवान जगन्नाथ सभा का आयोजन भी करते है, बीमार भी होते है, औषधि ग्रहण करते है, शरीर त्यागते है, नवीन शरीर ग्रहण करते है और यदि भक्त दर्शन का अभिलाषी हो तो भगवान अपनी दिनचर्या भी परिवर्तित कर देते है। एकादशी के दिन चावल में निवास करने वाले पाप से जगन्नाथ धाम में भक्तों को मुक्त करते है और दैनिक दिनचर्या अनुरूप चावल की खिचड़ी और व्यंजनों का प्रसाद स्वीकार ग्रहण करते है।

ब्रह्म तत्व धारण करने वाले भगवान जगन्नाथ भक्तों की पुकार पर स्वयं अपने गर्भ गृह से निकलकर जन सामान्य के बीच आते है। ईश्वरीय लीला कभी भी अकारण नहीं होती, वह तो विधि का विधान होती है जिसमें भक्त का हित और गहरी ईश्वरीय आस्था निहित होती है। जिनकी ईच्छा के बिना पुष्प नहीं खिल सकते एक तुच्छ तृण भी गंतव्य नहीं हो सकता उन प्रभु की रथ यात्रा को भक्त गंतव्य तक पहुंचाते है। यह सब सृष्टि के नियामक चक्र में कितनी मनोहारी और अनोखी लीला है भगवान जगन्नाथ की। कुछ समय के लिए प्रभु बीमार हो जाते है, औषधीय काढ़ा ग्रहण करते है और लाड़ली सुभद्रा के अनुग्रह पर अपनी मौसी गुंडीचा के घर पर निवास करते है।

जगन्नाथ भगवान वही श्री कृष्ण का स्वरुप है जो माँ को मातृत्व सुख प्रदान करने के लिए अनूठी लीलाएँ करते है। कभी काल कोठरी में बंद कर दिए जाते है तो कभी रस्सी से बाँध दिए जाते है, तो फिर भला मातृ तुल्य मासी का आग्रह कैसे अस्वीकार कर सकते है। मौसी अपने दुलारे को प्रत्येक प्रकार से मिष्ठान भोग, दूध, रबड़ी, माखन परोसकर अपने प्रेम अनुराग में कहीं भी न्यूनता नहीं होने देती है। मौसी के मनुहार के पहले जगन्नाथ भगवान जन सामान्य के कष्टों का भी निवारण करते है और भक्तों के दर्शन प्रदान कर असीम भक्ति की क्षुधा को शांत करते है। मौसी के घर पहुँचने पर मीठी मनुहार हो सहर्ष स्वीकार करते है, मौसी अपने लाडलों की प्रतीक्षा में एकटक रास्ता निहारती रहती है। करुणा के सागर भक्त की ईच्छा को पूर्ण न करें यह संभव नहीं है, इसीलिए लाड़ली सुभद्रा और मातृ तुल्य गुंडीचा मौसी दोनों की इच्छाएँ भगवान जगन्नाथ पूरी करते है।

जगन्नाथ भगवान का नगर भ्रमण भक्तों में अनूठे उत्साह का संचार करता है। भक्तों की आतुरता और भक्तों का सैलाब प्रभु के दर्शन के लिए

उमड़ पड़ता है। रथ पर आरूढ़ भगवान जगन्नाथ के दर्शनाभिलाषी सुदूर स्थानों से एकत्र होते है। प्रभु की छवि के दर्शन का सौभाग्य विरलों को ही मिलता है। रथ खींचने की होड़ में भक्ति की असंख्य श्रृंखला अविराम प्रतीक्षा करती है। जगन्नाथ रथ यात्रा कोई सामान्य रथ यात्रा नहीं है बल्कि जन्म-मृत्यु के बंधन से मुक्त करने वाली असंख्य पापो को क्षण में नष्ट करने वाली साक्षात् मोक्ष प्राप्ति और अनंत आस्था का द्वार है। संचित पुण्यों का प्रतिफल ही जगन्नाथ रथ यात्रा का दर्शन है। भक्ति कुछ नहीं ईश्वर के प्रति असीम विश्वास है, जो अप्रिय प्रतीत होने पर भी सदैव हित प्रदान करती है। भक्ति के वशीभूत होकर प्रभु प्रत्येक लीला के लिए तत्पर रहते है। सृष्टि के पालनहार का बीमार होना, शरीर परिवर्तित करना, औषधि काढ़ा ग्रहण करना, मौसी के प्रेम दुलार को प्राप्त करना, मातृत्व की असीम अनुभूति कराना, यह सब प्रभु की सुन्दर लीला का स्वरुप है। जगन्नाथ रथ यात्रा के जय घोष से भक्ति का अनुपम वातावरण निर्मित होता है जो भक्तों के विश्वास को जीवंत रखता है। आइये इस जगन्नाथ रथ यात्रा में मानसिक या शारीरिक रूप से शामिल होकर प्रभु से एकाकार होने का प्रयास करें।

(चिंतन- मनन)

शांति इंसान के अंदर है

पानी में मिला हुआ नमक दिखाई नहीं देता। इसका यह मतलब नहीं कि वह गायब हो गया। हालांकि आंख से नहीं देख सकते, पर जबान से उसे चख तो सकते हैं। मनुष्य के साथ ही कुछ ऐसा ही होता है। हम शांति को आंखों से नहीं देख सकते, परंतु हृदय से उसका अनुभव कर सकते हैं। वह शक्ति भी सब जगह है- थल में भी है, आकाश, वायु, जल और पेड़ों में भी है और उसी के होने की वजह से आप भी जीवित हैं। आप विश्वास करते हैं कि आपकी जन्मपुंडली में लिखा हुआ है, इसकी वजह से आप जीवित हैं, परंतु नहीं। कौन कब जाएगा, यह किसी को नहीं मालूम। कब क्या होगा, यह किसी को नहीं मालूम। पर लोग अपने जीवन के अंदर इसी चीज का विश्वास करके चलते हैं कि उनको मालूम है कि कल क्या होगा। आप जीते कहां हैं? आज में। कल तो आप जी नहीं सकते। अगर कल आएगा भी तो उसको आज का रूप लेना पड़ेगा। तो आप जीते कहां हैं? आज में। और आपकी आशाएं कहां हैं? कल में। आप चिंता किसकी करते हैं? कल की। और कल कभी आएगा नहीं। सारी जिंदगी आज में आपको जीना है। संस्कार यह डालने चाहिए कि आपके अंदर शांति है, उसे खोजो, उसको महसूस करो। अगर शांति-शांति कहने से ही शांति हो जाती तो अब तक तो हो जानी चाहिए थी। अब तक नहीं हुई है, तो कम से कम कुछ तो बदलिए। क्या बदलिए? मुंह को बंद कीजिए और अंतर्मुख होकर हृदय को खोलिए। क्योंकि शांति को पैदा करने की जरूरत नहीं है। शांति तो स्वयं आपके अंदर है, जैसे वह नमक जो पानी में मिला हुआ है, वैसे ही शांति भी आपके अंदर है। होश संभालने के साथ ही आप शांति, आनंद और चैन को ढूंढ रहे हैं। परंतु वह आपके हृदय के अंदर ही स्थित है। उसके अनुभव के लिए आपको इसे अपनाना पड़ेगा। इसे महसूस करने के लिए आप में इच्छा होनी चाहिए कि आप अपने जीवन में यह शांति चाहते हैं। जब तक अनुभव नहीं होगा, तब तक सारी बातें अधूरी हैं। जिस शांति की आपको तलाश है, वह शांति आपके अंदर है। कब तक रहेगी? जब तक आप जीवित हैं, तब तक रहेगी। आपकी सुंदरता कब बढ़ेगी? इस संसार के अंदर ऐसी कौन सी चीज है, जिसे पहनकर आप दरअसल अच्छे लगेंगे? वह है शांति।

आप शांति रूपी चादर ओढ़ेंगे तो आपके चेहरे पर मुस्कान होगी। वह मुस्कान सबसे सुंदर दिखाई देगी, तब आप असल में चमकेंगे। हृदय के दर्पण में आप अपनी परछाई देखेंगे, तो आप भी ऐसे आनंद से भर जाएंगे और कहेंगे-हे बनाने वाले, तुमने कितनी सुंदर चीज बनाई है जिसे हम बाहर ढूंढ रहे हैं।

विचार मंथन

कोर्ट मैं ऑनलाइन फाइलिंग, सुनवाई, गवाही, और फैसले

(लेखक- सनत जैन)

भारतीय न्यायपालिका ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए मुकदमों की ऑनलाइन सुनवाई और फैसले के नियम तैयार किये हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन सुनवाई सभी कोर्ट में उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य कार्यवाहक न्यायाधीश संजीव सचदेवा के निर्देश पर ई-कमेटी ने हाईकोर्ट एवं जिला कोर्ट में सुनवाई के लिये निगम तैयार कर लिये है। ई-सुनवाई 2025 के नियम की अधिसूचना विधि मंत्रालय से जारी होने के बाद इलेक्ट्रॉनिक, संचार माध्यम तथा आडियो-वीडियो के माध्यम से सुनवाई और फैसला करने वाला म.प्र. देश का पहला राज्य बनने जा रहा है। न्यायपालिका का यह बदलाव न केवल तकनीकी क्रांति है, बल्कि एक पारदर्शी, त्वरित और सुगम न्याय व्यवस्था की ओर बढ़ता कदम है। कोरोना महामारी के समय शुरू हुई वर्चुअल सुनवाई अब न्याय पालिका में स्थायी व्यवस्था का रूप ले रही है। ग्रामीण, पिछड़े और दूरदराज़ क्षेत्रों के नागरिकों को कोर्ट के चक्कर लगाने से मुक्ति मिलेगी। न्याय पालिका में व्याप्त भ्रष्टाचार भी कम होगा। न्याय जल्द मिलने की संभावनाएं बढ़ेगी। न्यायालयों में ऑनलाइन सुनवाई से वकीलों और न्यायाधीशों का समय बचेगा। मुवक्किलों को भी इससे मानसिक, शारीरिक और आर्थिक बोझ कम होगा। कोर्ट परिसर की भीड़, तारीख पर तारीख का सिलसिला, और केस की लंबी प्रक्रिया कम होगी। डिजिटल तकनीकी और सूचना प्रौद्योगिकी, संचार तकनीक के माध्यम से मुकदमो की ट्रैकिंग, ई-फाइलिंग, फैसलों की त्वरित उपलब्धता, न्याय में पारदर्शिता और संबंधित पक्षों की जवाबदेही मजबूत होगी। इस डिजिटल एवं ऑनलाइन प्रक्रिया मे कुछ चुनौतियां भी हैं। जैसे साइबर सुरक्षा, डेटा की गोपनीयता और ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट की सीमित पहुंच है। यह एक अच्छी बात है कि अब सेटेलाइट के माध्यम से इंटरनेट की सुविधा जल्द उपलब्ध होने जा रही है। भारत सरकार ने इसके लिए लाइसेंस भी जारी किए हैं। इससे निर्बाध रूप से इंटरनेट सुविधा मिलेगी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में बिना किसी रूकावट के न्यायालयीन कार्यवाही संभव होगी। न्याय के मानवीय पहलुओं को केवल तकनीक के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है। तकनीकी साक्षरता का अभाव एक बड़ी बाधा है, आम आदमी इसमें धोखाधड़ी का शिकार भी हो सकता है। डिजिटल एवं ऑनलाइन प्रक्रिया में सरकार और न्यायपालिका को प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम चलाना होगा। ताकि यह व्यवस्था सुचारू रूप से आगे बढ़ सके। ऑनलाइन न्यायालयीन प्रक्रिया 21वीं सदी के भारत में न्यायपालिका को विश्वस्तरीय और बेहतर बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकती है। बशर्ते तकनीकी ढांचा मजबूत हो, न्यायिक अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाए। आम जनता को इस नवीन प्रक्रिया का हिस्सा बनाया जाए। 'डिजिटल इंडिया' को न्यायिक प्रणाली में लागू कर, न्यायपालिका जहाँ 'सस्ता, सुलभ और समयबद्ध न्याय' को सपना नहीं, बल्कि यथार्थ में लाने के लिए आम जनता को इससे जोड़ने की जरूरत है। तकनीकी का उपयोग आम जनता आसानी के साथ कर पाए, ऐसे सॉफ्टवेयर तैयार किए जाएं। मुकदमों से संबंधित सभी कार्यवाही भारतीय भाषाओं में हो। सभी नागरिकों को आसानी से उपलब्ध

हो तभी न्याय व्यवस्था में लोगों का विश्वास बढ़ेगा। न्याय व्यवस्था का विश्वास लोकतंत्र पर विश्वास है। जो जन आस्था की सच्चाई बन सकता है। म.प्र. हाईकोर्ट ने ऑनलाइन डिजिटल सुनवाई को लेकर पिछले कई महीनों से प्रयास किये जा रहे थे। जो पूर्ण रूप से सफल हुए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एनएलएसी को मिला हाइब्रिड बिजली परियोजना का आवंटन पत्र

चेन्नई।

एनएलसी को राजस्थान में 450 मेगावाट की अंतर-राज्य पारेषण प्रणाली (आईएसटीएस) कनेक्टेड पवन-सौर हाइब्रिड बिजली परियोजना स्थापित करने एनटीपीसी लिमिटेड से आवंटन पत्र प्राप्त हुआ है। कंपनी ने रविवार को यह जानकारी दी है। एनटीपीसी से प्राप्त ऑर्डर के अनुसार एनएलसी इंडिया 450 मेगावाट आईएसटीएस कनेक्टेड पवन-सौर बिजली परियोजना की स्थापना करेगी। इस परियोजना से उत्पन्न हाइब्रिड बिजली की आपूर्ति एनटीपीसी लिमिटेड को बिजली खरीद करार (पीपीए) के तहत 25 साल की अवधि के लिए की जाएगी। एनएलसी इंडिया ने बयान कहा कि यह परियोजना राजस्थान के बीकानेर में 300 मेगावाट और गुजरात के भुज में 150 मेगावाट के लिए विकसित की जाएगी। इसमें कहा गया है कि पूर्ण परियोजना से बिजली की आपूर्ति बिजली खरीद करार की तारीख से 24 माह की अवधि में होगी। उन्होंने कहा कि इस साल हम 20 होटल खोलेंगे। पिछले पांच साल हमने 51 होटल के लिए समझौते किए हैं।

रैडिसन समूह भारत में अपने होटल पोर्टफोलियो को दोगुना करेगी

नई दिल्ली।

बेल्जियम मुख्यालय वाले रैडिसन होटल समूह का कहना है कि वह अगले कुछ साल में भारत में अपने पोर्टफोलियो को दोगुना करने के बारे में विचार कर रही है। वर्तमान में इस समूह की भारत में 200 से अधिक होटलें हैं। कंपनी के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि भारत में हम अपना ध्यान एक स्थायी और समावेशी विकास मॉडल पर केंद्रित रहेगा। उन्होंने कहा कि पहलगाम में समूह के होटल में कमरों की बुकिंग पिछले साल की तुलना में मात्र 20-30 प्रतिशत है। उल्लेखनीय है कि पहलगाम में हाल में आतंकवादी हमला हुआ था। इसके बाद वहां पर्यटकों की आवाजाही प्रभावित हुई है। रैडिसन जम्मू-कश्मीर में सबसे बड़ी लक्जरी होटल श्रृंखला है। वहां समूह के सात होटल परिचालन में हैं। इनमें से पांच घाटी में हैं। दो-तीन होटल पाइपलाइन में हैं।

भारत ने बांग्लादेश से जूट और फाइबर उत्पादों के आयात पर लगाई रोक

नई दिल्ली।

भारत ने बांग्लादेश से जूट और संबंधित फाइबर उत्पादों के आयात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दिया है। बताया जा रहा है यह फैसला दोनों पड़ोसियों के बीच संबंधों में बढ़ते तनाव को देखते हुए लिया गया है। सूत्रों ने बताया कि नए प्रतिबंध महाराष्ट्र में न्हावा शेवा बंदरगाह को छोड़कर अन्य सभी जमीनी मार्ग और बंदरगाहों के माध्यम से बांग्लादेश के जूट और संबद्ध फाइबर उत्पादों के भारत में आयात पर लागू होंगे। वाणिज्य मंत्रालय के तहत काम करने वाले विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना जारी कर प्रतिबंध लगा दिए। साफ्टा (दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र) के प्रावधानों के तहत, बांग्लादेश से जूट को भारत में शुल्क मुक्त पहुंच प्राप्त है। हालांकि उन्होंने कहा कि भारतीय जूट उद्योग को बांग्लादेश से जूट उत्पादों, विशेष रूप से धागा, फाइबर और बैग के डंप किए गए और सब्सिडी वाले आयात के प्रतिकूल प्रभाव के कारण लंबे समय से नुकसान उठाना पड़ रहा है।

देश का स्वर्ण भंडार बढ़कर 870 टन पहुंचा

केंद्रीय बैंक 12.5 किलो की सोने की ईंट के रूप में रखता है स्वर्ण भंडार

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सोने के महत्व को समझता है। इसी लिए वह 1991 के आर्थिक संकट के बाद सोने का भंडार कई गुणा बढ़ा चुका है और वर्तमान में यह लगभग 870 टन पहुंच गया है। केंद्रीय बैंक 12.5 किलो वजन की सोने की ईंट के रूप में विभिन्न जगहों पर यह स्वर्ण भंडार रखता है। आरबीआई पर बने एक वृत्त चित्र में यह जानकारी दी गयी है। आरबीआई ने अपने कामकाज और भूमिकाओं को लोगों के सामने लाने के लिए हाल में जारी वृत्तचित्र के जरिये यह भी बताया है कि हमारा देश दुनिया में करेंसी नोट के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है। जहां अमेरिका में यह लगभग 5,000 करोड़ इकाई, यूरोप में 2,900 करोड़ इकाई है वहीं भारत में यह 13,000 करोड़ इकाई है। यह पहली बार है जब आरबीआई के कार्यों को वृत्तचित्र के रूप में लाया गया है। वृत्त चित्र में दी गयी जानकारी के अनुसार केंद्रीय बैंक 1991 के आर्थिक संकट के बाद सोने का भंडार कई गुणा बढ़ा चुका है और देश में स्वर्ण भंडार के संरक्षक के रूप में लगभग 870 टन सोना काफी सुरक्षित स्थानों पर रखा है। बहुत कम लोगों को ही सोने की तिजोरियों तक पहुंच है। इस सोने को केंद्रीय बैंक 12.5 किलो वजन के स्वर्ण ईंट के रूप में रखा गया है। केंद्रीय बैंक के अधिकारी कहते हैं कि सोना केवल धातु नहीं बल्कि देश की ताकत है। देश बनते रहेंगे, बिगड़ते रहेंगे।

अर्थव्यवस्था में उतार-चढ़ाव होता रहेगा लेकिन सोना हमेशा अपना मूल्य बनाये रहेगा।

चुंबक की आपूर्ति बढ़ाने चीन नहीं जा पाया वाहन उद्योग का प्रतिनिधिमंडल

बैठक के लिए चीनी अधिकारियों से औपचारिक मंजूरी का इंतजार

नई दिल्ली। दुर्लभ खनिज (चुंबक) के आयात में तेजी लाने के लिए भारतीय वाहन उद्योग का प्रतिनिधिमंडल अभी तक चीन रवाना नहीं हो पाया है। उद्योग सूत्रों का कहना है कि प्रतिनिधिमंडल को अब भी चीन के वाणिज्य मंत्रालय से बैठक के लिए औपचारिक मंजूरी का इंतजार है। पिछले महीने लगभग 40-50 उद्योग अधिकारियों को वीजा मिल गया है, लेकिन वे अब भी इस मामले पर बैठक के लिए चीनी अधिकारियों से औपचारिक मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। इधरेलू वाहन उद्योग ने दुर्लभ खनिज की कमी को देखते हुए चीन से इसका आयात बढ़ाने के लिए सरकार से भी समर्थन मांगा है। भारत ने पिछले वित्त वर्ष में अपने 540 टन चुंबक आयात का 80 प्रतिशत से अधिक चीन से मंगाया था। अब चीन द्वारा इसके निर्यात पर अंकुश का असर दिखने लगा है।मई 2025 तक, भारतीय कंपनियों के लगभग 30 आयात अनुरोधों को भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किया जा चुका है, लेकिन इन्हें चीनी अधिकारियों की मंजूरी नहीं मिली है। इस वजह से कोई खेप नहीं आ पाई है।

ऊर्जा मंत्रालय ने लॉन्च किया इंडिया एनर्जी स्टैक

नई दिल्ली।

ऊर्जा मंत्रालय ने इंडिया एनर्जी स्टैक (आईईएस) नाम की एक विशेष पहल शुरू करने की घोषणा की। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि यह पहल नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने, बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) की कार्यक्षमता सुधारने और लोगों को पारदर्शी व भरोसेमंद बिजली सेवाएं देने में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि जैसे आधार ने लोगों की पहचान को आसान बनाया और यूपीआई ने डिजिटल पेमेंट में क्रांति ला दी, वैसे ही इंडिया एनर्जी स्टैक बिजली क्षेत्र में एक नया दौर शुरू करेगा। यह हर नागरिक के लिए आसान, सुरक्षित और उपभोक्ता-केंद्रित ऊर्जा सेवाएं सुनिश्चित करेगा। यह पहल देश की बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने, ग्रिड को स्थिर रखने और उपभोक्ताओं को सशक्त बनाने के लिए जरूरी है। भारत का लक्ष्य 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना और नेट-जीरो उत्सर्जन की दिशा में बढ़ना है। इस बीच, बिजली क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहनों और उपभोक्ताओं की बढ़ती भागीदारी के कारण कई नए अवसर और चुनौतियां सामने आ रही हैं। लेकिन, मौजूदा सिस्टम में एकरूपता की कमी और डिजिटल एकीकरण का अभाव बड़े रोड़े हैं। इन समस्याओं को दूर करने के लिए मंत्रालय ने इंडिया एनर्जी स्टैक शुरू किया है, जो एक मानकीकृत, सुरक्षित और खुला डिजिटल मंच होगा। यह बिजली की पूरी सप्लाई चेन को मैनेज करने, निगरानी करने और नए प्रयोग करने में मदद करेगा।

वृहद आर्थिक आंकड़े व वैश्विक रुझान तय करेंगे स्थानीय शेयर बाजार की चाल

विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों और कच्चे तेल की कीमतों पर भी सभी की नजर रहेगी

मुंबई।

इस सप्ताह औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) जैसे वृहद आर्थिक आंकड़ों, अमेरिकी शुल्क से जुड़े घटनाक्रमों तथा अन्य वैश्विक रुझानों से तय होगी घरेलू शेयर बाजारों की चाल। बाजार के जानकारों ने यह राय जताई है। उन्होंने कहा कि सप्ताह के दौरान विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों और कच्चे तेल की कीमतों पर भी सभी की नजर रहेगी। एक ब्रोकिंग रिसर्च के अनुसार इस सप्ताह भारत और अमेरिका से कई महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़े जारी किए जाएंगे, जो बाजार की धारणा और केंद्रीय बैंक के परिदृश्य को प्रभावित करेंगे। भारत में सप्ताह की शुरुआत 30 जून को मई के लिए औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों से होगी। इसके अलावा एक जुलाई को विनिर्माण पीएमआई के आंकड़े आएंगे, जिससे भारत के औद्योगिक क्षेत्र और ऑर्डर प्रवाह की स्थिति की जानकारी मिलेगी। इसके बाद तीन जुलाई को सेवा पीएमआई के आंकड़े जारी किए जाएंगे। बाजार के एक अन्य जानकार ने कहा कि जैसे-जैसे पहली तिमाही के नतीजों का सत्र

नजदीक आ रहा है, निवेशक वृद्धि के रुझानों के शुरुआती संकेतकों के रूप में कंपनियों के प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इसके अलावा आने वाले सप्ताह में अमेरिका द्वारा प्रमुख वैश्विक भागीदारों के साथ अंतिम रूप दिए जाने वाले व्यापार समझौतों को लेकर भी उत्सुकता बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि इसके साथ बाजार भागीदार घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अर्थव्यवस्था में सुधार का आकलन करने के लिए अमेरिका के गैर-कृषि पेरोल और बेरोजगारी के आंकड़ों के साथ-साथ भारत के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। इससे संस्थागत प्रवाह में सुधार, अमेरिका-भारत व्यापार समझौते की संभावनाओं से समर्थन मिलेगा। घरेलू स्तर पर आईआईपी और पीएमआई के आंकड़ों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। साथ ही मानसून की प्रगति और एफआईआई की गतिविधियां भी बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की शर्तों पर सहम ति पर कुछ मुद्दों पर फंसा पेंच

फंसे पेच सुलझाने के लिए मोदी-ट्रंप को ही संभालना होगा मोर्चा

नई दिल्ली।

भारत-अमेरिका े यापार समझौते की अधिकतर शर्तों पर लगभग सहमे ति तो बन चुकी है ले किन कु छ मुद्दो पर अभी गतिरोध बना हुआ है।

जानकारों का कहना है कि इन अड़चनों को दूर करने के लिए दोनों ही देशों के शीर्ष नेतृत्व को हस्तक्षेप करना होगा। एक और भारत चाहता है कि सभी टैरिफ को पूरी तरह से हटाने की स्पष्ट गारंटी दे और अमेरिकी अपनी भारत के संवेदनशील कृषि क्षेत्र को अधिक मुक्त करने की मांग पर पुनर्विचार करे। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि वाशिंगटन में शुरू हुई दो दिवसीय वार्ता अगले सप्ताह तक खिंच सकती है। विशेष सचिव (वाणिज्य) राजेश अग्रवाल की अगुवाई में भारतीय वार्ताकारों की टीम अभी भी अमेरिका में मौजूद है। इससे संकेत मिलता है कि बातचीत अगले सप्ताह तक जारी रह सकती है।

व्यापार विशेषज्ञों का कहना है कि दोनों देश अगर एक-दूसरे की व्यावहारिक और राजनीतिक संवेदनशीलताओं को ध्यान में रख फैसला ले तो अंतरिम े यापार समझौता जल्द हो सकता है। अमेरिका चाहता है कि भारत अपने कृषि और डेयरी क्षेत्र को अमेरिका के लिए खोल दे। भारत में डेयरी क्षेत्र छोटे किसानों पर आधारित है, जिनकी आजीविका एक या दो पशुओं पर निर्भर होती है।

ऐसे में वे अमेरिका के बड़े स्तर के डेयरी फार्म्स से मुकाबला नहीं कर सकते। अमेरिका के पशु चारे में मांसाहारी सामग्री होने के कारण धार्मिक भावना का मुद्दा जुड़ा है। भारत अमेरिका की मक्का और सोयाबीन जैसे उत्पादों को भी बिना शर्त प्रवेश देने को तैयार नहीं है, क्योंकि ये जेनेटिकली मॉडिफाइड होते हैं और भारतीय कानून जीएम फसलों की अनुमति नहीं देता। भारत चाहता है कि अमेरिका कोई ऐसी व्यवस्था बनाए जिससे यह प्रमाणित हो सके कि भेजे जा रहे उत्पाद जीएम नहीं हैं. लेकिन अमेरिका इसे व्यावहारिक रूप से संभव नहीं मानता।

विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो के महानिदेशक को मिली एक्स-कैटेगरी सुरक्षा

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) के महानिदेशक जीवीजी युगंधर को एक्स-श्रेणी की सशस्त्र सुरक्षा प्रदान की है। वे 12 जून को अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे की जांच का नेतृत्व कर रहे हैं। गृह मंत्रालय ने एक खतरे की आशंका संबंधी रिपोर्ट के आधार पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल को निर्देश दिया है कि वे युगंधर को सुरक्षा मुहैया उपलब्ध कराएं। इस व्यवस्था के मुतो बिक उनकी देशभर की यात्रा के दौरान तीन से चार सशस्त्र सीआरपीएफ जवान उनके साथ रहेंगे। गौरतलब है कि एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 171, जो अहमदाबाद से लंदन जा रही थी, दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। इस हादसे में 270 लोगों की जान चली गई थी। युगंधर इस गंभीर मामले की उच्च स्तरीय जांच का नेतृत्व कर रहे हैं। 13 जून को भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने औपचारिक रूप से इस दुर्घटना की जांच शुरू की। इसके लिए एक बहु-विषयक टीम बनाई गई है, जिसमें अमेरिका के नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के विशेषज्ञ, एक एयर ट्रैफिक कंट्रोल अधिकारी और एक एविएशन मेडिसिन विशेषज्ञ को शामिल किया गया है। यह टीम हादसे के कारणों और जिम्मेदार पक्षों की गहराई से जांच कर रही है। अब आईसीएओ की मौजूदगी से यह जांच और अधिक व्यापक और पारदर्शी मानी जा रही है।

देश के कई नामी बैंक एफडी पर दे रहे 8.30 फीसदी तक ब्याज दरें

एसबीआई सामान्य ग्राहकों को 3 से 7.10, सीनियर सिटीजन 3.50 से 7.60 फीसदी तक दे रहा ब्याज

मुंबई।

एफडी एक सुरक्षित निवेश विकल्प माना जाता है, जो तय समय के बाद गारंटीड रिटर्न के अच्छा ब्याज भी देता है। इस समय देश के कई नामी बैंक एफडी पर 8.30 फीसदी तक आकर्षक ब्याज दरें ऑफर कर रहे हैं। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) द्वारा सामान्य ग्राहकों को एफडी पर 3 फीसदी से 7.10 फीसदी तक और सीनियर सिटीजन को 3.50 फीसदी से 7.60 फीसदी तक ब्याज दिया जा रहा है। वहीं, एचडीएफसी बैंक सामान्य ग्राहकों को 3 फीसदी से 7.25 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 3.50 फीसदी से 7.75 फीसदी तक का ब्याज दे रहा है। आईसीआईसीआई बैंक की दरें भी समान हैं, जहां सामान्य ग्राहकों को 3 फीसदी से 7.10 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 3.50 फीसदी से 7.60 फीसदी तक का रिटर्न दे रहा है। आरबीएल बैंक सबसे अधिक ब्याज दे रहा है। यह बैंक सामान्य ग्राहकों को 3.50 से 7.80 फीसदी और सीनियर सिटीजन को 4 से 8.30 फीसदी तक का अच्छा ब्याज दे रहा है, जो फिलहाल बाजार में सबसे अधिक है। कोटक महिंद्रा बैंक अपने एफडी स्कीम में सामान्य ग्राहकों को 2.75 से 7.20 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 3.25 फीसदी से 7.70 फीसदी ब्याज दे रहा है। वही आईडीबीआई बैंक की ब्याज दरें सामान्य ग्राहकों के लिए 3 फीसदी से 6.75 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 3.50 से 7.25 फीसदी तक हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा भी एफडी निवेशकों के लिए एक बेहतर विकल्प है। यहां सामान्य ग्राहकों को 3 से 7.05 फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों को 3.50 से 7.55 फीसदी तक का ब्याज दे रहा है। पंजाब नेशनल बैंक सामान्य ग्राहकों को 3.50 से 7.25 फीसदी और सीनियर सिटीजन को 4 फीसदी से 7.75 फीसदी ब्याज दे रहा है।

वैश्विक अस्थिरता के दौर में भी मजबूत बनी हुई है भारतीय अर्थव्यवस्था: केंद्र

भारत के कुल निर्यात में मई 2025 में 2.8 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की गई

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 26 के पहले दो महीने में भारत की अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही है। वित्त मंत्रालय ने मासिक रिव्यू में बताया कि मजबूत घरेलू मांग, कम होती महंगाई, मजबूत एक्सटर्नल सेक्टर और एक स्थिर रोजगार की स्थिति के कारण वैश्विक अस्थिरता के दौर में भी अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। वित्त वर्ष 26 में भी सकारात्मक रुझान जारी रहने की संभावना है, शुरुआती हाई-फीक्वेंसी इंडीकेटर्स (एचएफआई) संकेत दे रहे हैं कि आर्थिक गतिविधि मजबूत बनी हुई है। ई-वे बिल जनरेशन, ईंधन खपत और पीएमआई सूचकांक जैसे एचएफआई निरंतर मजबूती की ओर इशारा करते हैं। ग्रामीण मांग में और मजबूती आई है, जिसे रबी की अच्छी फसल और सकारात्मक मानसून के पूर्वानुमान से सपोर्ट मिला है। शहरी खपत को अवकाश और व्यावसायिक यात्राओं में वृद्धि से समर्थन मिल रहा है। हवाई यात्रियों की आवाजाही और होटलों में लोगों की बढ़ती संख्या में इसे आसानी से देखा जा सकता है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि घरेलू संकेतक काफी हद तक सकारात्मक रहे हैं, बाहरी घटनाक्रमों के परिणामस्वरूप वित्तीय बाजारों में अस्थिरता देखी गई। 2025 की शुरुआत में व्यापार तनाव में वृद्धि हुई और उसके बाद दूसरी तिमाही में आंशिक कमी देखी गई। रिव्यू में कहा गया है कि एक्सटर्नल सेक्टर पर भारत के कुल निर्यात में मई 2025 में 2.8 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की गई, जो टैरिफ अनिश्चितताओं और कमजोर वैश्विक आर्थिक स्थितियों के बीच हमारे निर्यात की मजबूती बताता है।

अरबपति वॉरेन बफेट ने दान किए 6 बिलियन डॉलर के शेयर

दान से पहले वॉरेन बफेट की 152 बिलियन डॉलर की कुल संपत्ति थी

मुंबई।

दुनिया के दिग्गज निवेशक वॉरेन बफेट (94 वर्षीय) ने गेट्स फाउंडेशन और चार फैमिली चैरिटी संस्थाओं को बर्कशायर हैथवे के 6 बिलियन डॉलर के अतिरिक्त शेयर दान कर दिए हैं। यह लगभग दो दशक पहले अपनी संपत्ति दान करने के बाद से उनका सबसे बड़ा वार्षिक दान है। बर्कशायर क्लास बी के लगभग 12.36 मिलियन शेयरों के दान ने बफेट के दान को चैरिटी को 60 बिलियन डॉलर से भी अधिक तक बढ़ा दिया। बफेट ने गेट्स फाउंडेशन को 9.43 मिलियन शेयर, सुसान थॉम्पसन बफेट फाउंडेशन को 9,43,384 शेयर और अपने बच्चों हॉवर्ड, सूसी और पीटर द्वारा संचालित तीन चैरिटी में से प्रत्येक को 6,60,366 शेयर दान किए। ये चैरिटी- हॉवर्ड जी. बफेट फाउंडेशन, शेरवुड फाउंडेशन और नोवो फाउंडेशन हैं। हालांकि, वॉरेन बफेट अभी भी बर्कशायर के 13.8 फीसदी शेयर के मालिक हैं। फोर्ब्स पत्रिका के अनुसार दान से पहले वॉरेन बफेट की 152 बिलियन डॉलर की कुल संपत्ति थी। वह दुनिया के 5वें सबसे अमीर व्यक्ति थे। दान के बाद बफेट छठे स्थान पर होंगे, जो पिछले जून में उनके द्वारा दान किए गए 5.3 बिलियन डॉलर से अधिक है। उन्होंने पिछले नवंबर में फैमिली चैरिटी को 1.14 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त दान दिया था। 94 वर्षीय बफेट ने साल 2006 में अपनी संपत्ति दान करना शुरू कर दिया था। उन्होंने पिछले साल अपनी वसीयत बदली और अपनी मौत के बाद बची हुई संपत्ति का 99.5 फीसदी अपने बच्चों की देखरेख में एक धर्मार्थ ट्रस्ट को दे दिया। गौरतलब है कि वॉरेन बफेट 1965 से ओमाहा, नेब्रास्का स्थित बर्कशायर का नेतृत्व कर रहे हैं। 1.05 ट्रिलियन डॉलर समूह बर्कशायर के पास करीब 200 व्यवसाय और ऐप्पल, अमेरिकन एक्सप्रेस सहित दर्जनों स्टॉक हैं।

भारत की सिलिकॉन सिटी बेंगलुरु में घर ढूंढना एक बड़ी चुनौती

बेंगलुरु में 19 लाख का सिक्योरिटी डिपॉजिट देख हैरान रह गया कनाडियाई नागरिक

बैंगलुरू।

भारत की सिलिकॉन सिटी बेंगलुरु में घर रेंट पर लेना या खरीदना एक बड़ी चुनौती है। हाल ही में बेंगलुरु में किराये के मकान को लेकर एक कनाडाई नागरिक ने सोशल मीडिया पर अपनी हैरानी जताई। दरअसल, कनाडा से आए कैलेब फ्रीसन ने जब बेंगलुरु के पॉश एरिया डोमलूर में एक 3बीएचके अपार्टमेंट का ऑनलाइन विज्ञापन देखा, तो उसमें लिखा था कि महीने का किराया 1.75 लाख रुपये है, लेकिन सिक्योरिटी डिपॉजिट 19.25 लाख रुपये1 उन्होंने इस लिस्टिंग की फोटो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर करते हुए लिखा, 19 लाख सिर्फ सिक्योरिटी के लिए? पागलपन है ये! इतने में तो मैं नई महिंद्रा थार खरीद लूं1 उन्होंने ये भी पूछा कि क्या इंदिरानगर के आसपास कोई ऐसा घर है जहां सिर्फ 2-3 महीने का डिपॉजिट देना पड़े और किराया 80 हजार से 1 लाख रुपये के बीच हो? उनकी पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो गई और 43,000 से ज्यादा बार देखी गई1 इसके बाद बेंगलुरु के रियल एस्टेट और रेंटल सिस्टम को लेकर बहस शुरू हो गई। एक यूजर ने लिखा, आपको अपनी उम्मीदें छोड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए। यहां रेंटल सिस्टम माफिया जैसा

है। दूसरे ने तंज कसा, इसलिए लोग कहते हैं कि घर खरीदना फिजूल है, बिना ब्याज के इतना पैसा डिपॉजिट देने से अच्छा है ईएमआई दो। एक और यूजर ने लिखा - मैं चेन्नई से बेंगलुरु शिफ्ट होना चाहता था, लेकिन जब मैंने किराया देखा तो लगा सैलरी से भी ज्यादा डिपॉजिट है, इसलिए जाने का प्लान छोड़ दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

10 सितंबर से शुरु हो सकता है एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट

मुम्बई।

भारत में होने वाला एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट 10 सितंबर से शुरु होने की संभावना है। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) जुलाई के पहले सप्ताह में छह टीमों के इस टूर्नामेंट का कार्यक्रम जारी करेगी। अनुमान है कि सितंबर के दूसरे सप्ताह में एशिया कप शुरु होगा। इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के अलावा अफगानिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और यूएई की टीमें भी भाग लेंगी। एशिया कप की मेजबानी भारत करेगा पर दोनो देशों के बीच तनाव को देखते हुए पाकिस्तान की टीम भारत नहीं आयेगी। ऐसे में एसीसी हाइब्रिड मॉडल के तौर पर पाक के मैच का आयोजन श्रीलंका या यूएई में कर सकता है। इससे पहले पाक में हुई चैम्पियसं ट्रॉफी में भारतीय टीम के मैच यूएई में हुए थे तभी ये करार हुआ था कि पाक टीम भी अपने मुकाबले हाईब्रिड मॉडल के तहत खेलेगी। वहीं अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से ही टूर्नामेंट पर संशय छा गया था। इसके बाद से ही देश में बहुपक्षीय आयोजनों से भी पाक टीम को बाहर करने की मांग तेज हो गयी थी। भारतीय टीम मुम्बई हमले के बाद से ही पाक से द्विपक्षीय क्रिकेट नहीं खेल रही।

शास्त्री बोले, शुभमन को अगले तीन साल तक कप्तान बने रहने दें

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि युवा कप्तान शुभमन गिल की कप्तान का अंदाज काफी अच्छी है। इसलिए अगले तीन साल तक उन्हें अवसर दिया जाना चाहिये। शास्त्री ने कहा कि इस दौरान टीम का प्रदर्शन चाहे कैसा भी रहे शुभमन को नहीं बदला जाना चाहिये। रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद शुभमन को इंग्लैंड दौरे से पहले कप्तान बनाया गया था। शुभमन की कप्तानी में भारतीय टीम ने पहले ही टेस्ट में पांच शतक लगाये पर इसके बाद भी उसे हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम का प्रदर्शन पूरे मैच के दौरान अच्छा था हालांकि कुछ गलतियों के कारण उसे हार झेलनी पड़ी पूर्व कोच के अनुसार रोहित शर्मा और विराट कोहली व आर अश्विन जैसे सीनियर खिलाड़ियों के बाहर होने के बाद शुभमन अब एक बदलाव के दौर से गुजर रही भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे हैं। शास्त्री ने कहा कि गिल में क्लास और शांति का एक अनोखा संगम है जो उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। इसलिए अगर वह कप्तानी में आगे नहीं बढ़ते हैं तो मुझे निराशा होगी। उनमें एक सहज, नजाकत है और जब वह बल्लेबाजी करते हैं तो उनमें एक शाही अंदाज दिखता है। अगर वह अनुभव से सीख सकते हैं और हालातों के अनुकूल ढल सकते हैं, तो मुझे लगता है कि मैं सिर्फ उन्हीं का नाम ले सकता हूं। इस पूर्व कोच का मानना है कि मैदान के बाहर भी इस क्रिकेटर का विकास उतना ही प्रभावशाली रहा है। शास्त्री ने कहा, वह बहुत परिपक्व हो गए हैं। जिस तरह से वह मीडिया को संभालते हैं, जिस तरह से वह प्रेस कॉन्फ्रेंस में और टॉस के समय बात करते हैं, वह बहुत

परिपक्व हो गए हैं। उन्होंने चयनकर्ताओं और बीसीसीआई से युवा खिलाड़ी के साथ धैर्य रखने का आग्रह किया। साथ ही कहा,उन्हें तीन साल तक टीम में रहने दें। सीरीज में कुछ भी हो, उन्हें बार-बार न बदलें। उनके साथ तीन साल तक टिके रहें और मेरा मानना है कि वह बेहतर होकर उभरेंगे।

प्रिटोरियस सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले दक्षिण अफीका खिलाड़ी बने

61 साल पुराना पोलक का रिकार्ड तोड़ा

बुलावायो।

दक्षिण अफ्रीका के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज लुआन ड्रे प्रिटोरियस ने अपने डेब्यू मैच में ही 153 रनों की शतकीय पारी खेलकर एक नया रिकार्ड बनाया है। इसी के साथ ही 19 साल के प्रिटोरियस डेब्यू टेस्ट में शतक लगाने वाले दक्षिण अफ्रीका के सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बन गये हैं। अपनी इस शतक से हाथ के इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने 61 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। लुआन के शतक से दक्षिण अफ्रीकी टीम ने टेस्ट मैच के पहले ही अच्छा खासा स्कोर बना लिया। प्रिटोरियस ने 160 गेंदों पर 112 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 153 रन बनाए। लुआन ने 19 साल 93 दिन की उम्र में ये टेस्ट शतक लगााया। इससे पहले सबसे कम उमे में शतक का रिकार्ड ग्रीम पोलॉक के नाम था जिन्होंने 1964 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच में 19 साल 317 दिन की उम्र में शतक लगाया था। प्रिटोरियस ने अपना शत 112 गेंदों पर पूरा किया। प्रिटोरियस की शतकीय पारी से दक्षिण अफ्रीकी टीम ने पहले दिन का खेल खत्म होने पर पहली पारी में 9 विकेट पर 418 रन बना लिए थे। कॉर्बिन बॉश 100 रन जबकि क्रेन मफाका 9 रनों पर खेल रहे थे। अपने डेब्यू टेस्ट में डेवाल्ड ब्रेविस ने 51 रन जबकि कोडी यूसुफन` 27 रन बनायचे। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही और .उसने अपने शीर्ष के 4 विकेट केवल 55 रनों पर ही खो दिये। इसके बाद प्रिटोरियस और डेवाल्ड ब्रेविस ने मिलका पारी को संभालाकर आगे बढ़ाया।

गेंदबाजी कोच के साथ डब्ल्यूडब्ल्यूई जैसे फाइट करते दिखे अर्शदीप और आकाशदीप

बर्मिंघम।

यहां भारतीय टीम 2 जुलाई से यहां शुरु होने वाले दूसरे टेस्ट की तैयारियों में लगी है। इसी अभ्यास सत्र के दौरान कुछ खिलाड़ी गेंदबाजी कोच के साथ हंसी मजाक में लड़ाई करते दिखे। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और आकाशदीप गेंदबाजी कोच कोच मोर्ने मॉर्केल के साथ हाथापाई कर रहे थे। ऐसा लगा रहा था जैसे तीनो के बीच डब्ल्यूडब्ल्यूई का मुकाबला हो रहा है। भारतीय टीम के अभ्यास सत्र का एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। इसमें गेंदबाज अर्शदीप सिंह और आकाशदीप को कोच मॉर्केल के साथ मस्ती करते देखा जा सकता है। मॉर्केल की सभी गेंदबाजों के साथ अच्छी बनती है और वे काम के दौरान मजाक भी करते रहते हैं। कोच और खिलाड़ियों के बीच अच्छा संबंध बना है। इसी कारण वे एक दूसरे के साथ हंसी मजाक भी करते हैं। इस वीडियो में मॉर्केल और अर्शदीप के बीच टक्कर हो रही है। इसमें कोच अर्शदीप को जमीन पर गिरा कर उनको कोहने से मारने का नाटक करते दिख रहे हैं। कोच मॉर्केल जब अर्शदीप के साथ मुकाबला करते हैं तो उनको बचाने के लिए आकाशदीप आते हैं और दोनों मिलकर कोच को जमीन पर लिटा देते हैं और फिर तीनों के बीच मजाकिया लड़ाई होती है। इस वीडियो को प्रशंसकों ने काफी पसंद किया

विदेश में ऋषभ पंत के शतक वाले ज्यादातर मैचों में भारत हारा

नई दिल्ली।

टीम इंडिया के आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज़ ऋषभ पंत ने विदेशी जमीन पर टेस्ट क्रिकेट में अब तक 6 शानदार शतक जड़े हैं, लेकिन यह भारतीय क्रिकेट के लिए एक अनोखा और कुछ हद तक निराशाजनक संयोग भी रहा है कि जिन 5 टेस्ट मैचों में उन्होंने ये सेंचुरी लगाई, उनमें से एक में भी भारत को जीत नसीब नहीं हुई। पंत के विदेशी शतकों में भारत को चार बार हार झेलनी पड़ी और एक मुकाबला ड्रॉ रहा। उनका यह सिलसिला इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट से शुरू होता है और अब तक जारी है। पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज के दौरान हेडिंग्ले के मैदान पर पहली पारी में 134 और दूसरी पारी में 118 रन की दो जबरदस्त पारियां खेलीं। लगा कि यह मैच भारत के पक्ष में जाएगा, मगर भारत 5 विकेट से हार गया। इसके बाद भी पंत का शानदार प्रदर्शन जारी रहा, लेकिन नतीजे भारत के पक्ष में नहीं जा सके। साल 2018 में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ केनिंगटन ओवल में अपने करियर का पहला टेस्ट शतक जमाया था। उन्होंने 114 रन बनाए थे, पर भारत वह मैच भी हार गया। 2019 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सिडनी टेस्ट में उन्होंने 159 रन की नाबाद पारी खेली। उस समय उनकी बल्लेबाज़ी ने टीम इंडिया को मजबूत स्थिति में पहुंचाया, लेकिन मैच का नतीजा नहीं निकल सका और मुकाबला ड्रॉ रहा। 2022 में पंत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केप टाउन के न्यूलैंड्स टेस्ट में 100 रन की नाबाद पारी खेली थी। इसके बावजूद भारत को हार का सामना करना पड़ा। इसी साल इंग्लैंड के खिलाफ एजबस्टन में पंत ने 146 रन की शानदार पारी खेली। यह पारी उस मुश्किल समय में आई जब भारत संकट में था। उन्होंने टीम को संभाला, लेकिन इसके बावजूद भारत मैच हार गया। इस तरह ऋषभ पंत ने विदेशी सरजमीं पर पांच टेस्ट में छह शतक लगाए हैं, मगर इनमें से भारत को एक भी जीत नसीब नहीं हुई। फैंस और विशेषज्ञ दोनों ही मानते हैं कि पंत का विदेशी पिचों पर यह आक्रामक और भरोसेमंद अंदाज भारतीय टेस्ट क्रिकेट के लिए बेहद जरूरी है। अब सभी की नजरें इस बात पर हैं कि क्या आने वाले इंग्लैंड दौरे में यह संयोग टूटेगा और पंत की शतकीय पारी भारत को जीत दिला पाएगी। भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को उम्मीद है कि ऋषभ पंत का यह दुर्भाग्यपूर्ण आंकड़ा जल्द ही बदल जाएगा और उनकी शतकीय पारियां भविष्य में भारत की जीत की गारंटी बनेंगी।

संक्षिप्त समाचार

टीम को जीत दिलाने से खुश हैं स्मृति मंधाना

नॉटिंघम।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना इंग्लैंड के खिलाफ यहां खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपनी टीम को मिली 97 रन से जीत से बेहद खुश है। मंधान ने नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर के टीम से बाहर होने के कारण इस मैच में कप्तानी संभाली थी। इस मैच में भारतीय टीम की जीत में मंधाना की शतकीय पारी की अहम भूमिका रही। मंधाना ने इस मैच में तेजी से खेलते हुए 149वें मैच में अपना पहला टी20 शतक लगाया। उन्होंने 62 गेंदों पर 15 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 112 रन बनाए, जिससे भारतीय टीम 210 रन का बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही। मंधाना का ये शतक इसलिए भी अहम है क्योंकि वह टी20 प्रारुप में शतक लगाने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गयी हैं। मंधाना ने कहा, ' शतक लगाने का मेरा अहसास अच्छा रहा है क्योंकि यह ऐसा प्रारूप है जिसमें एक बल्लेबाज के तौर पर मुझे लगातार प्रयास और सुधार करते रहना होगा। यह मेरे लिए स्वाभाविक प्रारूप नहीं है। मैं पावर हिटर नहीं हूं और मुझे अपनी टाइमिंग पर भरोसा रखकर शॉट लगाना पसंद है लेकिन मैं अपनी पावर हिटिंग पर भी काम करने की कोशिश कर रही हूं। इस सलामी बल्लेबाज ने कहा, 'इस प्रारूप में शतक बनाना वास्तव में खास है। मैंने टेस्ट क्रिकेट और एक दिवसीय क्रिकेट में भी शतक लगाए हैं, लेकिन यह दोनों प्रारूप मेरी बल्लेबाजी शैली के अधिक अनुकूल हैं। मंधाना ने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं था कि वह यहां पहले मैच में शतक लगाने में सफल रहेगी। उन्होंने कहा, 'मैंने नहीं सोचा था कि में पहले मैच में ही शतक लगाने में सफल रहूंगी। मैं इससे पहले कुछ अवसरों पर शतक के करीब पहुंचकर भी उसे पूरा नहीं कर पायी थी।

मंधाना के शतक से भारतीय टीम ने पहले टी20 में इंग्लैंड को हराया

सीरीज में 1-0 से आगे हुई

लंदन।

कार्यवाहक कप्तान स्मृति मंधाना के शानदार शतक और अपना पहला ही मैच खेल रही श्री चरणी की अच्छी गेंदबाजी से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये पहले ही टी20 मुकाबले में मेजबान इंग्लैंड को 97 रन से हरा दिया। इस मैच में मिली जीत के साथ ही भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे हो गयी है। इस मैंच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 210 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 211 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम 14.5 ओवरों में ही 113 रनों पर सिमट गयी। भारतीय टीम की जीत में मंधाना और चरणी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मंधाना ने जहां 112 रन बनाकर टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। वहीं श्री चरणी ने 4 विकेट लेकर मेजबान टीम की बल्लेबाजी को धवस्त कर दिया। यह महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इंग्लैंड की सबसे बड़ी हार है। मंधाना इस मैच में शतक लगाने के साथ ही टी20 में शतक लगाने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर बनी हैं। इस मैच में जीत के लिए मिले 211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही आर उसने लगातार विकेट गंवाए। उसकी ओर से केवल कप्तान नेट शीवर ब्रंट ने ही सबसे अधिक 66 रन बनाये। इंग्लैंड के केवल तीन बल्लेबाज ही दो अंकों से ऊपर पहुंच पाये। भारतीय टीम की ओर से श्री चरणी ने 4 ओवर में 12 रन देकर 4 विकेट लिए जबकि दीप्ति शर्मा और राधा यादव ने दो-दो विकेट लिए। इससे पहले भारतीय टीम ने मंधाना के शतक की सहायता से 5 विकेट पर 210 रन बनाये। मंधाना ने शुरूआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और 62 गेंद पर 15 चौके और तीन छक्के लगाये। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत की सर्वश्रेष्ठ पारी रही है।

रोड्स ने डब्ल्यूडब्लयूई नाइट ऑफ चैंपियंस जीती, ऑर्टन हुए घायल

सेन डियागो।

रेसलर रैंडी ऑर्टन डब्ल्यू डब्लयू ई नाइट ऑफ चैंपियंस 2025 मुकाबले में कोडी रोड्स से मिली हार के दौरान ही घायल हो गये। रोड्स इस मैच में जीत के साथ ही किंग ऑफ द रिंग बन गये। वहीं मैच के दौरान ऑर्टन की पीठ में चोट लग गई। इससे प्रशंसक और आयोजक भी परेशान हो गये। वहीं कुछ लोगों ने ऑर्टन की चोट को नकली बताया है। वहीं कुछ का मानना है कि अब ये रेलर लंबे समय के लिए बाहर हो गया है। ऑर्टन को पहले भी पीठ की समस्या रही है। इसी कारण वह एक साल से ज्यादा समय तक रिंग से बाहर रहे थे। मैच के दौरान ऑर्टन सुपरप्लेक्स के दौरान घायल हो गये। उन्होंने तुरंत अपनी पीठ पकड़ ली। मैच के बाकी समय में उन्हें दर्द में देखा गया। लोगों ने देखा कि उन्हें चलने तक में परेशानी हो रही थी। ऑर्टन ने मैच के दौरान कुछ अवसरों पर रेफरी से भी बात की। डब्ल्यू डब्लयू ई ने हालांकि अभी तक इसको लेकर कुछ नहीं कहा है पर कहा जा रहा है कि ऑर्टन की चोट का आंकलन हो रहा है। किया जा रहा है। वहीं कुछ लोगों का मानना है कि इस रेसलर का घायल होना सहानुभूति पाने या उन्हें कुछ सप्ताह के लिए टीवी से दूर रखने का एक तरीका है हालांकि ऑर्टन को पहले भी गर्दन में चोट लग चुकी है। इसलिए कई प्रशसंकों का ये भी मानना है कि यह केवल एक नाटक नहीं है। ऑर्टन की चोट ने समर स्लैम में उनके भाग लेने पर भी सवाल उठा दिये हैं। किंग ऑफ द रिंग से पहले ऑर्टन को खिताबा जीतने के लिए एक मजबूत दावेदार माना जा रहा था पर उनके घायल होने सवे कोडी रोड्स की योजना भी प्रभावित हो सकती हैं। रोड्स को ऑर्टन के साथ रीमैच करना था या फिर, वे टैग-टीम में भी शामिल हो सकते थे।

छक्का लगाने ही दिल का दौर पड़ने से खिलाड़ी की मौत

चंडीगढ़।

खेल के मैदान में खिलाड़ियों की मौत के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। अब पंजाब के फिरोजपुर का एक मामला सामने आया है। यहां एक खिलाड़ी की बल्लेबाजी के दौरान ही मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार छक्का लगाने के तत्काल बाद खिलाड़ी को दिल का दौरा पड़ा जिस कारण उसकी मौत हो गई। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। ये एक निजी स्कूल के मैदान में चल रहा मैच था। जिसमें बल्लेबाज हरजीत सिंह की मौत हो गयी। वीडियो में देखा जा सकता है कि युवक बल्लेबाजी कर रहा है और एक गेंद पर छक्का लगाता है। छक्का लगाने के बाद खिलाड़ी घबराहट होने के कारण क्रीज पर ही बैठ जाता है जिसके बाद नॉन स्ट्राइक पर खड़ा बल्लेबाज भी उसके साथ आकर बैठता है। इस दौरान स्टाइकर जमीन पर गिर जाता है और सभी साथी खिलाड़ी दौड़कर उसे देखते हैं।

भारतीय टीम की टी20 विश्वकप जीत का एक साल पूरा हुआ

मुम्बई।

भारतीय क्रिकेट टीम के टी20 विश्वकप की जीत को एक साल पूरा हो गया है। रोहित शर्मा की कप्तानी में पिछले साल 29 जून को भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर खिताब जीता था। इसी के साथ ही भारतीय टीम ने एक दशक बाद आईसीसी खिताब अपने नाम किया था। इस जीत के बाद रोहित शर्मा और अनुभीवी बल्लेबाज विराट कोहली ने टी20 प्रारुप को अलविदा कह दिया था। भारतीय टीम इने इस टूर्नामेंट में अपने सभी मैच जीते थे। उसने एक बार फिर पाकिस्तान के खिलाफ जी दर्ज की थी। भारतीय टीम ने अमेरिका को 7 विकेट से हार कर सुपर आठ में प्रवेश किया। वहीं कनाडा के साथ अंतिम लीग मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया। भारतीय टीम ने इसके बाद वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान को हराया। इसके बाद टीम ने और ऑस्ट्रेलिया को भी हराया और 2023 एकदिवसीय विश्वकप की हार का हिसाब बराबर कर दिया। वहीं खिताबी मुकाबले में उसने दक्षिण अफ्रीका को 68 रनों से हराया। इस टूर्नामेंट के साथ ही मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का करार भी समाप्त हो गया। विश्वकप के बाद विराट रोहित की तरह ही ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा ने भी टी20 प्रारुप से इस्तीफे की घोषणा कर दी।

एसेक्स की ओर से खेलेगे खलील

मुम्बई।

तेज गेंदबाज खलील अहमद को भारत ए की ओर अच्छा प्रदर्शन करने का लाभ हुआ है। खलील को काउंटी क्रिकेट खेलने का अवसर मिला है। खलील अब काउंटी टीम एसेक्स की ओर से खेलेगे। खलील ने इस साल आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया था। खलीन ने अब तक भारतीय टीम की ओर से 11 एकदिवसीय और 18 टी20 मैच खेले हैं। बाएं हाथ के अच्छे तेज गेंदबाजों की काउंटी टीमों में हमेशा ही मांग बनी रहती है। इसी कारण खलील ने 2025 सत्र के अंत तक के लिए काउंटी चैंपियनशिप और एकदिवसीय कप मैच खेलने के लिए एसेक्स के साथ करार किया है। खलील मई के अंत से ही इंग्लैंड में हैं और उन्होंने वहां भारत ए की ओर से खेला है। . उन्होंने नॉर्थम्प्टन में पहले मैच में जेम्स रेव, जॉर्ज हिल, क्रिस वोक्स और एसेक्स में अपने साथी जॉर्डन कॉक्स को आउट किया था। खलील ने अपने एक बयान में कहा, ÷मैंने एसेक्स क्लब के बारे में बहुत कुछ सुना है और मैं इसका हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं और अपनी ओर से बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करुंगा। मैं चेम्सफोर्ड में खेलने, एसेक्स सदस्यों और प्रशंसकों से मिलने और ऐसा प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हूं, जिस पर वे गर्व का अनुभव कर सकें। घरेलू क्रिकेट में राजस्थान की ओर से खेलते हुए खलील अहमद ने 63 मैचों में 27.92 की औसत से 92 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4-35 रहा है। वहीं 20 प्रथम श्रेणी मैचों में अहमद ने 27.67 की औसत से 56 विकेट लिए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5-37 रहा हैं।एसेक्स के क्रिकेट निदेशक क्रिस सिल्वरवुड ने कहा, ÷हम भारत ए की ओर से किये उनके प्रदर्शन से प्रभावित थे और हमारा मानना है कि वह हमारे तेज गेंदबाजी आक्रमण को और मजबूत कर सकते हैं।

सैमी पर आईसीसी ने 15 फीसदी जुर्माना लगाया

दुबई।

वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के कोच डैरन सैमी को टीवी अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक की सार्वजनिक रूप से आलोचना करना महंगा पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सैमी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान टीवी अंपायर की सार्वजनिक रूप से आलोचना करने का दोषी पाते हुए उनपर मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाया है। सैमी ने मैच के दूसरे दिन डिसीजन रिव्यू सिस्टम (डीआरएस) के फैसलों पर सवाल उठाये थे। सैमी ने मैच के बाद मीडिया से बात करते हुए तीसरे अंपायर के फैसले पर सवाल उठाए थे, इसी कारण से उन पर यह जुर्माना लगाया गया है। इस मैच में वेस्टइंडीज को हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में अंपायर पर एक नहीं पांच-पांच गलत फैसले देने के आरोप लगे। इसमें से चार वेस्टइंडीज के खिलाफ गये जिससे उसकी परेशानी बढ़ गयी। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड को डीआरएस के बाद नॉट आउट दिया गया। वहीं वेस्टइंडीज के शाई हॉप के आउट होने पर भी सवाल उठे। सैमी ने रोस्टन चेज और ऑस्ट्रेलिया के कैमरून ग्रीन से जुड़े एलबीडब्ल्यू की गलतियों के बारे में भी बताया। सैमी ने कहा था, जो तस्वीरें हम देख रहे हैं, उससे लगता है कि दोनों टीमों के लिए फैसले निष्पक्ष नहीं हैं। मैं इस में स्पष्टता चाहता हूं। सैमी ने मैच अधिकारी के खिलाफ बयान देने के चलते ही आईसीसी ने उन्हें आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया है।इससे पहले वेस्टइंडीज की टीम के तेज गेंदबाज जेडन सील्स पर भी विरोधी टीम के कप्तान पैट कमिंस से खराब व्यवहार के लिए मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगा था। पहला टेस्ट हारने से तीन मैच की सीरीज में वेस्टइंडीज 0-1 से पीछे है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मयूर पंख से होते हैं हर ग्रह के दोष दूर

हिन्दू धर्म में मोर के पंखों का विशेष महत्व है। मोर के पंखों में सभी देवी-देवताओं और सभी नौ ग्रहों का वास होता है। ऐसा क्यों होता है, हमारे धर्म ग्रंथों में इससे संबंधित कथा है .

भगवान शिव ने मां पार्वती को पक्षी शास्त्र में वर्णित मोर के महत्व के बारे में बताया है। प्राचीन काल में संध्या नाम का एक असुर हुआ था। वह बहुत शक्तिशाली और तपस्वी असुर था। गुरु शुकाचार्य के कारण संध्या देवताओं का शत्रु बन गया था। संध्या असुर ने कठोर तप कर शिवजी और ब्रह्मा को प्रसन्न कर लिया था। ब्रह्माजी और शिवजी प्रसन्न हो गए तो असुर ने कई शक्तियां वरदान के रूप में प्राप्त की। शक्तियों के कारण संध्या बहुत शक्तिशाली हो गया था। शक्तिशाली संध्या भगवान विष्णु के भक्तों का सताने लगा था। असुर ने स्वर्ग पर भी आधिपत्य कर लिया था, देवताओं को बंदी बना लिया था। जब किसी भी तरह देवता संध्या को जीत नहीं पा रहे थे, तब उन्होंने एक योजना बनाई। योजना के अनुसार सभी देवता और सभी नौ ग्रह एक मोर के पंखों में विराजित हो गए। अब वह मोर बहुत शक्तिशाली हो गया था। मोर ने विशाल रूप धारण किया और संध्या असुर का वध कर दिया। तभी से मोर को भी पूजनीय और पवित्र माना जाने लगा। ज्योतिष शास्त्र में भी मोर के पंखों का विशेष महत्व बताया गया है। यदि विधिपूर्वक मोर पंख को स्थापित किया जाए तो घर के वास्तु दोष दूर होते हैं और कुंडली के सभी नौ ग्रहों के दोष भी शांत होते हैं। घर का द्वार यदि वास्तु के विरुद्ध हो तो द्वार पर तीन मोर पंख स्थापित करें।

शनि के लिए

शनिवार को तीन मोर पंख ले कर आएं। पंख के नीचे काले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ तीन सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें–

ऊँ शनैश्चराय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- तीन मिटटी के दीपक तेल सहित शनि देवता को अर्पित करें।
- गुलाब जामुन या प्रसाद बना कर चढ़ाएं। इससे शनि संबंधी दोष दूर होता है।

चंद्र के लिए

सोमवार को आठ मोर पंख लेकर आएं, पंख के नीचे सफेद रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ आठ सुपारियां भी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ सोमाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पान के पांच पत्ते चंद्रमा को अर्पित करें। बर्फी का प्रसाद चढ़ाएं।

मंगल के लिए

मंगलवार को सात मोर पंख लेकर आएं, पंख के नीचे लाल रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ सात सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ भू पुत्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पीपल के दो पत्तों पर चावल रखकर मंगल ग्रह को अर्पित करें। बूंदी का प्रसाद चढ़ाएं।

बुध के लिए

बुधवार को छः मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे हरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ छः सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ बुधाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- जामुन बुध ग्रह को अर्पित करें।
- केले के पत्ते पर रखकर मीठी रोटी का प्रसाद चढ़ाएं।

गुरु के लिए

गुरुवार को पांच मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे पीले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ पांच सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ बृहस्पते नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- ग्यारह केले बृहस्पति देवता को अर्पित करें।
- बेसन का प्रसाद बनाकर गुरु ग्रह को चढ़ाएं।

शुक्र के लिए

शुक्रवार को चार मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे गुलाबी रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ चार सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ शुक्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- तीन मीठे पान शुक्र देवता को अर्पित करें।
- गुड़-चने का प्रसाद बना कर चढ़ाएं।

सूर्य के लिए

रविवार के दिन नौ मोर पंख लेकर आएं और पंख के नीचे मैरून रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ नौ सुपारियां रखें, गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ सूर्याय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- इसके बाद दो नारियल सूर्य भगवान को अर्पित करें।

राहु के लिए

शनिवार को सूर्य उदय से पूर्व दो मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे भूरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ दो सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ राहवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- चौमुखा दीपक जलाकर राहु को अर्पित करें। कोई भी मीठा प्रसाद बनाकर चढ़ाएं।

केतु के लिए

शनिवार को सूर्य अस्त होने के बाद एक मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे स्लेटी रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंख के साथ एक सुपारी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ केतवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पानी के दो कलश भरकर राहु को अर्पित करें।
- फलों का प्रसाद चढ़ाएं।

कौन-से देवता होते हैं भादो मास में प्रसन्न

भाद्रपद हिन्दू कैलेंडर के अनुसार वर्ष का छठा महीना और चतुर्मास का दूसरा महीना है। इसे भादो भी कहते हैं। आओ जानते हैं कि इस पवित्र माह में कौनसे 10 देवताओं की पूजा करने से वे होते हैं प्रसन्न।

- **श्रीकृष्ण** : इसी माह में कृण जन्मोत्सव मनाया जाता है, क्योंकि उनका जनन्म भाद्रपद की अष्टमी को हुआ था। डोल ग्यारस तक उनके जन्मोत्सव की धूम रहती है। इस माह में उनकी पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को बलरामजी की जयंती भी रहती है।
- **माता पार्वती** : इस माह में शुक्ल पक्ष की तृतीया को हरितालिका तीज का पर्व मनाया जाता है। व्रत रखकर माता दुर्गा, पार्वती और शिवजी की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **गणेश जी** : भाद्रपद की शुक्ल चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक गणेशोत्सव मनाया जाता है। भगवान गणेश की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **विश्वकर्मा जी** : भाद्रपद की परिवर्तनी एकादशी के दिन देवताओं के शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **भगवान विष्णु** : भाद्रपद की चतुर्दशी को भगवान विष्णु के अनंत रूप की पूजा होती है। इसी पूजा से अनंत भगवान प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा भाद्रपद की अजा और परिवर्तनी एकादशी के दिन भी भगवान विष्णु की पूजा होती है।
- **श्रीराधा जी** : भाद्रपद की कृष्ण पक्ष की अष्टमी को श्री कृष्ण का जन्म और शुक्ल अष्टमी को राधाजी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। राधा अष्टमी के दिन राधाजी की श्री कृष्ण के साथ पूजा करने से वे प्रसन्न होती हैं।
- **पितृदेव** : भाद्रपद माह की पूर्णिमा से ही श्राद्ध पक्ष प्रारंभ हो जाता है। इस माह में पितृदेव या पितरों के देव अर्यमा को प्रसन्न किया जाता है। ऋषियों की पूजा के साथ पितृदेव की पूजा करें।
- **शिव जी** : चातुर्मास प्रारंभ होने के बाद विष्णुजी पाताल लोग में योगनिद्रा में चले जाते हैं तब चार माह के लिए शिवजी अपने रुद्र रूप में सृष्टि का संचालन करते हैं अतः इस माह में शिवजी के रुद्र रूप की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं। प्रदोष और मासिक शिवरात्रि के दिन उनकी पूजा करने चाहिए।
- **सूर्यदेव** : इस माह में सूर्यदेव की पूजा भी की जाती है। उन्हें अर्घ्य देने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **हनुमान जी** : भाद्रपद के अंतिम मंगलवार को बुढ़वा मंगलवार मनाया जाता है। माना जाता है कि इसी दिन रावण ने उनकी पूंछ में आग लगा दी थी। जिसके चलते लंका दहन हो गया था।

श्रीकृष्ण के शारंग धनुष की खास बातें

श्रीराम के पास कोदंड, शिवजी के पास पिनाक और अर्जुन के पास गाण्डिव धनुष था। प्रभु श्रीकृष्ण को आपने धनुष धारण करते हुए नहीं देखा होगा परंतु उनके पास था सारंग या शारंग नाम का धनुष। आओ जानते हैं इसके बारे में कुछ खास।

- भगवान श्रीकृष्ण सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर भी थे यह बात तब पता चली, जब उन्होंने लक्ष्मणा को प्राप्त करने के लिए स्वयंवर की धनुष प्रतियोगिता में भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में कर्ण, अर्जुन और अन्य कई सर्वश्रेष्ठ धनुर्धरों ने भाग लिया था। द्रौपदी स्वयंवर से कहीं अधिक कठिन थी लक्ष्मणा स्वयंवर की प्रतियोगिता। भगवान श्रीकृष्ण ने सभी धनुर्धरों को पछाड़कर लक्ष्मणा से विवाह किया था। हालांकि लक्ष्मणा पहले से ही श्रीकृष्ण को अपना पति मान चुकी थी इसीलिए श्रीकृष्ण को इस प्रतियोगिता में भाग लेना पड़ा।
- शारंग का अर्थ होता है रंगा हुआ, रंगदार, सभी रंगोंवाला और सुंदर।
- कहते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण का यह धनुष सींग से बना हुआ था।
- कुछ मानते हैं कि यह वही शारंग है जिसे कण्व की तपस्यास्थली के बांस से बनाया गया था। ब्रह्माजी के आदेश से विश्वकर्माजी ने इन बांसों से 1.गांडीव, 2. पिनाक और 3.सारंग नाम के तीन धनुष बनाए थे।
- यह भी कहा जाता है कि वत्तासुर नाम का एक दैत्य था जिसका संपूर्ण धरती पर आतंक था। उसके आतंक का सामना करने के लिए दधीचि ऋषि ने देशहित में अपनी हड्डियों का दान कर दिया था। उनकी हड्डियों से 3 धनुष बने– 1.गांडीव, 2.पिनाक और 3.सारंग। इसके अलावा उनकी छाती की हड्डियों से इन्द्र का वज्र बनाया गया। इसी सभी दिव्यास्त्रों को लेकर वत्तासुर के साथ युद्ध किया और उसका वध कर दिया गया था।
- एक कथा के अनुसार भगवान कृष्ण और राक्षस शल्व के बीच एक युद्ध के दौरान शारंग धनुष प्रकट होता है। शल्व ने कृष्ण के बाएं हाथ पर हमला किया जिससे कृष्ण के हाथों से शारंग छूट गया। बाद में, भगवान कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शल्व के सिर को धड़ से अलग कर दिया।
- कहते है कि भगवान विश्वकर्मा ने तीन धनुष बनाए थे। पहला पिनाक, दूसरा गांडिव और तीसरा शारंग। ब्रह्मा ने विष्णुजी और शिवजी के बीच झगड़ा पैदा कर दिया कि तुम दोनों में से बेहतर तीरंदाज कौन है। फिर दोनों में भयंकर युद्ध हुआ। शिवजी के पास पिनाक था और विष्णुजी के नास शारंग। अंत में ब्रह्माजी ने दोनों के क्रोध को शांत किया तब शिवजी ने क्रोधित होकर पिनाक देवरात को सौंप दिया। देवराज से यह धनुष राजा जनक के पास चला गया। इसी तरह विष्णुजी ने भी क्रोधित होकर अपना धनुष ऋषि ऋचिक को सौंप दिया।
- शारंग धनुष सबसे पहले भगवान विष्णु के पास था। विष्णुजी ने इसे ऋषि ऋचिक को दे दिया था। ऋषि ऋचिक ने अपने पौत्र परशुराम को दिया और परशुरामजी ने श्रीराम को दिया। श्रीराम ने यह धनुष जल के देवता वरुण को दे दिया और भगवान वरुणदेव ने खांडवदहन के दौरान इस धनुष को श्रीकृष्ण को सौंप दिया। मृत्यु से ठीक पहले, कृष्ण ने इस धनुष को महासागर में फेंककर वरुण को वापस लौटा दिया।

हताशा से घिर जाएं तो यह उपाय अपनाएं

हमारे आसपास अगर नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है तो यह जीवन में हताशा लाता है। इसके लिए वास्तु दोष भी कारण हो सकते हैं। अगर मन में नकारात्मक विचारों का प्रवाह बढ़ रहा है तो वास्तु में बताए गए आसान से उपायों को अपना सकते हैं। यह उपाय जीवन जीने की प्रेरणा देंगे और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाएंगे। हताशा अगर घेरने लगे तो शिव स्तुति, महामृत्युंजय मंत्र, शिवकवच, देवीकवच का पाठ करें। नियमित रूप से भगवान शिव का जलाभिषेक करें। पांच अन्न गेहूं, ज्वार, चावल, मूंग, जवा और बाजरा का दान करें। पक्षियों को अन्न खिलाएं। नमक के जल से स्नान करें। घर में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था करें। सूरज की किरणें घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सहायक हैं। घर के दरवाजे और खिड़कियों को अच्छे से साफ करें। अगरबती या धूप जलाएं। गायत्री मंत्र का उच्चारण करें। घर में हवन या पूजा कराएं। घर को व्यवस्थित रखें। पुराने पर्दे या चादरें बदल दें। घर के जिस हिस्से में नकारात्मक ऊर्जा का अहसास होता हो वहां जोर-जोर से ताली बजाएं। तुलसी के पौधे को घर में जरूर लगाएं। शनिवार के दिन वस्त्र और भोजन बांटें। घर में सदैव शांति बनाए रखने का प्रयास करें। यह भी माना जाता है कि किसी दूसरी जगह जाने से हताशा और दुर्भाग्य से छुटकारा मिल जाता है।

घबराता है मन हमेशा रहती है बेचैनी ...तो यह उपाय आजमाएं

अगर बात-बात पर मन घबराता है। भविष्य को लेकर हमेशा आशंका बनी रहती है। जोखिम के बारे में सोचने से भी डर लगता है तो यह वास्तु उपाय आपके काम आ सकते हैं। इन उपायों को अपनाने से आत्मबल में वृद्धि होगी और अनिष्ट की आशंका भी दूर होगी। आइए जानते हैं इनके बारे में। घर में रोजाना सुबह-शाम भगवान की पूजा करें और पूरे घर में कर्पूर का धुआं करें। हनुमान जी अपने भक्तों का साथ कभी नहीं छोड़ते हैं। मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा करें। हनुमान जी के मंदिर में चमेली के तेल का दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा का नित्य प्रति पाठ करें। घर की छत पर लाल रंग की पताका लगाने से अनिष्ट दूर हो जाते हैं। कभी भी यात्रा पर जाने से पहले प्रकृति के विरुद्ध कुछ न कहें। नकारात्मक शब्दों का प्रयोग तो बिल्कुल न करें। नदी, आग और हवा के बारे कोई बुरी बात न करें। घर से निकलते समय हमेशा अच्छी बात कहें। घर से बाहर जाते समय मुख्य द्वार पर विराजमान गणेश जी से वापस आकर मिलने का वादा करें। घर के मुख्य द्वार के पास तुलसी का पौधा लगाएं। रोजाना तुलसी के पौधे की पूजा करें। तुलसी के सामने सरसो के तेल का दीपक भी जलाएं। दक्षिण दिशा की तरफ पैर कर न सोएं। शयन कक्ष में मुख्य द्वार की ओर पैर कर न सोएं। पक्षियों को लाल मसूर खिलाएं। घर की छत को हमेशा स्वच्छ रखें।

सुख, समृद्धि और सौभाग्य लाते हैं मिट्टी के बर्तन

वास्तु में माना जाता है कि मिट्टी के बर्तन सुख, सौभाग्य और बेहतर स्वास्थ्य लाते हैं। आइए जानते हैं मिट्टी के बर्तनों के कुछ ऐसे फायदे जिन्हें वास्तु में बताया गया है। वास्तु के अनुसार हर व्यक्ति को मिट्टी या भूमि तत्व के पास ही रहना चाहिए। मिट्टी से बनी वस्तुएं सौभाग्य और समृद्धिकारक होती हैं। मिट्टी के बर्तनों में पकाए अन्न में ईश्वरीय तत्व माना जाता है। हर घर में मिट्टी का घड़ा अवश्य होना चाहिए। घड़े का पानी पीने से बुध और चंद्रमा का प्रभाव शुभ होता है। घड़े को घर की उत्तर-पूर्व दिशा में रखें। मानसिक रूप से परेशान हैं तो मिट्टी के घड़े से पौधे को पानी दें। जो लोग मंगल के कोप से प्रभावित हैं, उन्हें कोई भी पेय पदार्थ मिट्टी के बर्तन में ही पीना चाहिए। मिट्टी के बर्तन में पानी भरकर घर की छत पर पक्षियों के लिए अवश्य रखें। मिट्टी से बनी भगवान की मूर्ति को घर में लाने से धन संबंधी परेशानियां दूर हो जाती हैं। रोजाना तुलसी के पौधे के पास मिट्टी का दीया जलाएं। मिट्टी से बनी वस्तुओं या खिलौनों से अपने ड्राइंग रूम को सजाएं। इससे रिश्तों में मधुरता आती है। हर त्योहार पर घर में मिट्टी के दीये जलाएं। घर में मिट्टी के बर्तन रखने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

आखिर गीता में क्या खास है?

कलियुग के प्रारंभ होने के मात्र तीस वर्ष पहले गीता को अर्जुन के अलावा संजय ने सुना और उन्होंने धृतराष्ट्र को सुनाया। गीता में श्रीकृष्ण ने 574, अर्जुन ने 85, संजय ने 40 और धृतराष्ट्र ने 1 श्लोक कहा है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में जब यह ज्ञान दिया गया तब मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की तिथि एकादशी थी। उस दिन रविवार था। कहते हैं कि उन्होंने यह ज्ञान लगभग 45 मिनट तक दिया था। अर्जुन के नन्दिघोष नामक रथ पर सारथी के स्थान पर खड़े होकर श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश किया था। कहते हैं प्रथम दिन का उपदेश प्रातः 8 से 9 बजे के बीच हुआ था। बाद के उपदेश कैंप में होते थे।

- गीता में भक्ति, ज्ञान और कर्म मार्ग की चर्चा की गई है। उसमें यम-नियम और धर्म-कर्म के बारे में भी बताया गया है। गीता ही कहती है कि ब्रह्म (ईश्वर) एक ही है। गीता को बार-बार पढ़ेंगे तो आपके समक्ष इसके ज्ञान का रहस्य खुलता जाएगा। गीता के प्रत्येक शब्द पर एक अलग ग्रंथ लिखा जा सकता है। इसका कोई सा भी अध्याय अन्य अध्याय का रिपिटेशन नहीं है। विषय भले ही एक हो लेकिन प्रत्येक अध्याय में अलग ही तरह का ज्ञान है।
- गीता में सृष्टि उत्पत्ति, जीव विकास क्रम, हिन्दू संदेशवाहक क्रम, मानव उत्पत्ति, योग, धर्म-कर्म, ईश्वर, भगवान, देवी-देवता, उपासना, प्रार्थना, यम-नियम, राजनीति, युद्ध, मोक्ष, अंतरिक्ष, आकाश, धरती, संस्कार, वंश, कुल, नीति, अर्थ, पूर्वजन्म, प्रारब्ध, जीवन प्रबंधन, राष्ट्र निर्माण, आत्मा, कर्मसिद्धांत, त्रिगुण की संकल्पना, सभी प्राणियों में मैत्रीभाव आदि सभी की जानकारी है। गीता का मुख्य ज्ञान है कैसे स्थितप्रज्ञ पुरुष बनना, ईश्वर को जानना या मोक्ष प्राप्त करना।
- श्रीमद्भगवद्गीता योगेश्वर श्रीकृष्ण की वाणी है। इसके प्रत्येक श्लोक में ज्ञानरूपी प्रकाश है जिसके प्रस्फुटित होते ही अज्ञान का अंधकार नष्ट हो जाता है। ज्ञान-भक्ति-कर्म योग मार्गों की विस्तृत व्याख्या की गई है। इन मार्गों पर चलने से व्यक्ति निश्चित ही परम पद का अधिकारी बन जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोर्ट में ऑनलाइन सुनवाई और डिजिटल फैसले की व्यवस्था लागू

नई दिल्ली।

भारत की न्यायपालिका ने तकनीकी विकास की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए ऑनलाइन सुनवाई और डिजिटल फैसलों की व्यवस्था को औपचारिक रूप से लागू करने का निर्णय लिया है।

यह व्यवस्था उच्चतम न्यायालय से लेकर जिला अदालतों तक लागू होगी। इस व्यवस्था के लागू होने के बाद न्यायिक प्रक्रिया को तेज, पारदर्शी और आम जनता के लिए अधिक सुलभ बनाया जा सकेगा।

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा, यह पहल 'ई-कोर्ट परियोजना' के तीसरे चरण का हिस्सा है।जिसमें ई-फाइलिंग, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और ऑनलाइन फैसलों की सार्वजनिक उपलब्धता होगी। सुप्रीम कोर्ट पहले ही वर्चुअल सुनवाई में अग्रणी है। अब इसे स्थायी व्यवस्था के रूप में जिला न्यायालयों और हाईकोर्ट मे लागू किया जाएगा।

यह सुविधा उन लोगों के लिए उपयोगी साबित होगी। जो दूरदराज के क्षेत्रों में रहते हैं। जो कोर्ट आने में असमर्थ होते हैं। इससे सुनवाई में देरी होने के कारण न्याय मिलने में देरी होती है।उसमें उल्लेखनीय कमी आयेगी। भारत की अदालतों में अभी तक 25 करोड़ से अधिक केस ई-फाइलिंग के तहत पंजीकृत किए जा चुके हैं। 3 करोड़ से ज्यादा फैसले डिजिटली जारी किए जा चुके हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस बदलाव को सफल बनाने के लिए तकनीकी अधो-संरचना को मजबूत करना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में, वकीलों, न्यायाधीशों और जनता को डिजिटल रूप से सक्षम बनाना सबसे बड़ी आवश्यकता है। जो ऑनलाइन डिजिटल न्यायिक व्यवस्था के सफलता की कुंजी होगी।

भारत की न्याय प्रणाली मैं यह बदलाव एक नए युग में ले जाने की शुरुआत है। जहाँ तकनीक और न्याय व्यवस्था मिलकर एक सशक्त लोकतंत्र की नींव को मजबूत

बनाने का काम करेगी।

ईरान-इजराइल युद्ध का असर, भारत में ड्राई फ्रूट्स व सेंधा नमक की कीमतें बढ़ी

पाकिस्तान से आने वाले उत्पादों के विरोध ने भी स्थिति को बिगाड़ा

नई दिल्ली।

ईरान-इजराइल युद्ध का असर अब भारत के थोक बाजारों पर दिख रहा है। सेंधा नमक और ड्राई फ्रूट्स की कीमतों में जबरदस्त उछाल देखा जा रहा है। बीते 15 दिनों में इन उत्पादों के दाम 20 से 25 फीसदी तक बढ़ गए हैं। थोक व्यापारियों के मुताबिक सेंधा नमक और ड्राई फ्रूट्स मुख्य रूप से ईरान, इराक और खाड़ी देशों से भारत में आयात होता है। ईरान-इजराइल युद्ध और क्षेत्रीय अस्थिरता के कारण इन देशों से माल की आपूर्ति पर असर पड़ा है, जिससे बाजार में उपलब्धता घट गई और कीमतें बढ़ गईं हैं। व्यापारियों की मानें तो काजू, बादाम, पिस्ता, खजूर, केसर जैसे उत्पादों की कीमतों में उछाल आया है। वहीं, सेंधा नमक भी महंगा हो गया है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान से आने वाले उत्पादों के विरोध ने भी स्थिति को और बिगाड़ दिया है। प्रयागराज के व्यापारियों ने बताया कि पाकिस्तान से माल लेना बंद होने के बाद ज्यादातर सामान ईरान और खाड़ी देशों से मंगवाया जा रहा है, लेकिन युद्ध के चलते वहां से भी आपूर्ति पर असर हुआ है। प्रयागराज के एक थोक व्यापारी का कहना है कि ड्राई फ्रूट्स और सेंधा नमक की कीमतें रोज बदल रही हैं। सप्लाई कम है। एक किलो सेंधा नमक जो पहले 50 रुपए में मिलता था, अब 70-80 रुपए में मिल रहा है। ड्राई फ्रूट्स के तो और भी बुरे हाल हैं। कुछ व्यापारियों ने केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की बात कही है। एक व्यापारी ने कहा कि हमें भरोसा है कि सरकार इन हालात पर काबू पा लेगी और बाज़ार को स्थिर हो जाएगा।

ब्रह्मपुत्र का बढ़ा जलस्तर, कई बीघा जमीन पानी में डूबी, खाना-पानी बना चुनौती

गुवाहाटी।

असम में ब्रह्मपुत्र नदी का जलस्तर बढ़ने से जनजीवन पर असर पड़ा है, जिससे नदी किनारे के इलाकों में पानी घुस गया है। इससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और उनकी दिनचर्या प्रभावित हो चुकी है। प्रभावित लोगों ने बताया कि कई बीघा खेती की जमीन पानी में डूब गई है, जिससे न केवल उनकी उगाई गई सब्जियों और फसलों को नुकसान हुआ है, बल्कि भोजन-पानी की व्यवस्था भी चुनौती बन गई है। जानकारी के मुताबिक डिब्रूगढ़, जोरहाट, माजुली और कामरूप जिलों के पानीखैती, राजाबारी इलाकों में ब्रह्मपुत्र नदी का पानी घुसने के कारण सैकड़ों हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूब गई है। लोगों के मुताबिक ब्रह्मपुत्र नदी का जलस्तर 3 से 4 दिनों से जिस तरह बढ़ रहा है, अगर ऐसा ही रहा तो उससे उनका गांव भी जलमग्न हो जाएगा। एक स्थानीय शख्स ने बताया कि यहां पिछले दो दिन में ही चार फीट तक पानी भर गया है। यह खेती का क्षेत्र है। करीब 500 बीघा क्षेत्र में पानी भरा है, जिससे सब्जियां और धान की फसलें बर्बाद हो गई। स्थिति बहुत खराब है। अगर पानी ज्यादा भरा तो हालत और भी ज्यादा खराब हो जाएंगे।

मीडिया रिपोर्ट में स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां रहने की समस्या भी बनी हुई है। साथ ही भोजन की व्यवस्था करना चुनौतीपूर्ण है। पानी ज्यादा भरने से बिजली काट दी जाती है। पीने का पानी उपलब्ध नहीं है।

इसके लिए हमें बाहर से नाव के जरिए पानी की व्यवस्था करनी पड़ रही है। एक और स्थानीय शख्स ने बताया कि हम लोग केवल मछली मारकर ही अपने लिए भोजन की व्यवस्था कर रहे हैं।

नया एआई टूल कैंसर के इलाज में लाएगा क्रांतिकारी बदलाव

नई दिल्ली।

अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों की टीम ने एक नया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल बनाया है, जो कैंसर के इलाज में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, यह नई तकनीक कैंसर के इलाज में एक बड़ी समस्या को हल करती है, कई बार ट्यूमर में एक जैसी नहीं, बल्कि अलग-अलग तरह की कोशिकाएं होती हैं। इसे ट्यूमर हेटेरोजेनेटी कहा जाता है। हर तरह की कोशिका इलाज पर अलग-अलग तरीके से प्रतिक्रिया करती है। गारवन इंस्टीट्यूट की एसोसिएट प्रोफेसर क्रिस्टीन चैफर ने बताया, ट्यूमर हेटेरोजेनेटी एक बड़ी समस्या है, क्योंकि ट्यूमर का इलाज सभी कोशिकाओं को एक जैसी मानकर किया जाता है। इसके तहत, हम एक ऐसी थेरेपी देते हैं, जो ट्यूमर की ज्यादातर कोशिकाओं को एक खास तरीके से मारती है। लेकिन हर कोशिका उस इलाज से नहीं मरती, और वे बचकर कैंसर को दोबारा फैला सकती हैं। एएनेट एआई टूल हमें ट्यूमर के अंदर की विविधता को जैविक रूप से पहचानने में मदद करता है।येल यूनिवर्सिटी की एसोसिएट प्रोफेसर स्मिता कृष्णास्वामी इस एआई टूल की सह-निर्माता हैं। उन्होंने बताया कि यह पहली ऐसी तकनीक है जो कोशिकाओं की जटिलता को आसानी से समझने वाले प्रकारों में बदल सकती है। इससे कैंसर के सटीक इलाज में बहुत बड़ा बदलाव आ सकता है। यानी यह तकनीक प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी को पूरी तरह बदल सकती है। यह तकनीक अब इलाज के लिए तैयार है। कैंसर डिस्कवरी नामक जर्नल में छपे इस अध्ययन में यह भी बताया गया है कि यह तकनीक स्तन कैंसर में तो सफल साबित हुई ही है, साथ ही यह दूसरे तरह के कैंसर और ऑटोइम्यून बीमारियों के लिए भी फायदेमंद हो सकती है, जो पर्सनलाइज्ड मेडिसिन की दिशा में एक बड़ा कदम है। कुछ कोशिकाएं इलाज से मर जाती हैं, लेकिन कुछ बच जाती हैं, जो आगे चलकर कैंसर की वापसी का कारण बनती हैं। एएनेट नाम का एआई टूल ऑस्ट्रेलिया के गारवन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल रिसर्च और अमेरिका की येल स्कूल ऑफ मेडिसिन ने मिलकर बनाया है। यह टूल कैंसर की हर एक कोशिका के अंदर होने वाली जीन की गतिविधि को गहराई से अध्ययन करेगा। अंतरराष्ट्रीय रिसर्च टीम ने बताया कि इस एआई टूल की मदद से ट्यूमर के अंदर 5 अलग-अलग तरह की कोशिकाएं पाई गईं। हर एक का अपना अलग व्यवहार और फैलने के अलग-अलग खतरे थे।

धमाके के लिए पाकिस्तान द्वारा लगाए गए आरोपों पर भारत ने सुनाई खरी-खोटी

नई दिल्ली।

शनिवार यानी 28 जून को उत्तर वजीरिस्तान के एक गांव में एक आत्मघाती कार बम धमाके में कम से कम 14 सैनिकों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हुए, जिनमें बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं। यह हमला उस समय हुआ जब इलाके में कर्फ्यू लागू था ताकि सेना की मूवमेंट सुरक्षित ढंग से हो सके। पाकिस्तान ने इस घटना के लिए भारत पर आरोप लगाए। भारत ने रविवार को पाकिस्तान सेना के उस बयान को सिरे से खारिज कर दिया जिसमें उसने वजीरिस्तान में हुए आत्मघाती हमले के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराया गया था। विदेश मंत्रालय ने इसे घृणा से भरा हुआ बयान बताया है। विदेश मंत्रालय ने कहा, हमने पाकिस्तान सेना का एक आधिकारिक का बयान देखा है जिसमें 28 जून को वजीरिस्तान में हुए हमले के लिए भारत को दोषी ठहराया गया है। हम इस बयान को उस घृणा के साथ खारिज करते हैं जिसकी यह पात्रता रखता है। विदेश मंत्रालय के बयान के मुताबिक, पाकिस्तान को चाहिए कि वह बार-बार भारत पर दोष मढ़ने के बजाय अपने देश के भीतर मौजूद आतंकवादी नेटवर्क और उग्रवादी संगठनों पर कार्रवाई करे।

बता दें कि वजीरिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत कई प्रतिबंधित आतंकी संगठनों का गढ़ माना जाता है। पाकिस्तान अफगानिस्तान पर इन संगठनों को पनाह देने का आरोप लगाता रहा है। हाफिज गुल बहादुर गुट पाकिस्तान में टीटीपी से भी अधिक खतरनाक माना जा रहा है, जो सुरक्षा बलों पर लगातार हमले करता रहा है। पाकिस्तान सेना ने अपने बयान में भारत पर हमले की साजिश रचने का आरोप लगाया लेकिन किसी तरह का ठोस सबूत पेश नहीं किया। भारत ने इस आधारहीन आरोप को शर्मनाक और बेबुनियाद बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया। बता दें कि इस धमाके में 800 किलोग्राम विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया था, जिससे आसपास के कई घरों को भी नुकसान पहुंचा। पाकिस्तान सेना के मुताबिक, हमले में 13 सैनिकों की मौत और तीन नागरिक घायल हुए। हमले की जिम्मेदारी हाफिज गुल बहादुर गुट ने ली है, जो पाकिस्तानी तालिबान से जुड़ा एक आतंकी संगठन है।

जगन्नाथ रथयात्रा में महिलाओं से छेड़छाड़ को लेकर भिड़े दो मंडल, कई लोग घायल

ओमर वैश्य मंडल और दोसर वैश्य नवयुवक मंडल में विवाद ने लिया हिंसक रुप

कानपुर।

यूपी के कानपुर में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के दूसरे दिन बवाल हो गया। यहां ओमर वैश्य मंडल और दोसर वैश्य नवयुवक मंडल के बीच कहासुनी हो हुई जो देखते ही देखते हिंसक रुप में बदल गई। दोनों मंडलों के युवकों ने एक-दूसरे पर हमला कर दिया। इस झड़प में आधा दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए, जिनमें कई महिलाएं भी शामिल हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कानपुर में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में पहले दिन यात्रा में साउंड सर्विस को रोकने पर पुलिस और जगन्नाथ मंदिर के महंत के बीच विवाद हुआ था, जिसमें थानेदार को सस्पेंड कर दिया गया। वहीं दूसरे दिन रथ यात्रा में दो मंडलों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ।

इस दौरान रथ यात्रा में शामिल युवक जो गीत संगीत के साज बजा रहे थे, उन्हीं को हथियार बनाकर एक दूसरे पर हमला कर दिया। इस घटना में दोनों पक्षों के आधा दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। बता दें कानपुर में सैकड़ों सालों से भगवान जगन्नाथ की 2 दिन की यात्रा निकलती है।

ओमर वैश्य मंडल की महिलाओं का कहना है कि दोसर वैश्य मंडल सवारी जब सामने से गुजरी तो उसमें शामिल लोग महिलाओं के साथ अभद्रता और छेड़छाड़ करने लगे। विरोध्ण किया तो वे मारपीट करने लगे। वे पूरी तैयारी के साथ आए थे। इस दौरान जमकर दोनों पक्षों में मारपीट हुई। इस घटना के वीडियो सामने आए हैं। घटना में दोनों पक्षों के आधा दर्जन से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। ओमर वैश्य मंडल के सदस्य ने कहा कि दूसरे पक्ष के लोगों ने पहले मारपीट शुरू कर दी और महिलाओं से छेड़छाड़ भी की। इस मामले को लेकर एसीपी ने कहा कि अभी हमारे पास घटना की सूचना नहीं है।

रथ यात्रा निकल रही है। हम पहले उसको निकाल रहे हैं. यहां पर शांति व्यवस्था कायम कर दी गई है। दो पक्षों में विवाद हुआ था। अगर शिकायत आएगी तो कार्रवाई की जाएगी।

धीरेंद्र शास्त्री के कार्यक्रम को नहीं मिली अनुमति, 6 को पटना में जुटेंगे कई संत

अधिकारियों की टीम कानून व्यवस्था की करेगी रिपोर्ट तैयार फिर होगा फैसला

पटना।

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का बिहार से प्रेम किसी से छिपा नहीं है। वह करीब 4 बार बिहार जा चुके हैं। धीरेंद्र बिहार को देश का सबसे अच्छा राज्य मानते हैं और खुद को बिहारी तक बता चुके हैं। बता दें गोपालगंज में एक धार्मिक कार्यक्रम में उन्होंने कहा था कि मैं भी बिहारी हूं। उन्होंने सिर पर मुरेठा बांधकर 'जिया हो बिहार के लाला' गाना भी गया था। उन्होंने विरोधियों से कहा था कि 'अगर मुझे बिहार आने से रोका तो यहीं घर बना लूंगा, लेकिन आखिर ऐसा क्या हुआ कि इस बार बिहार पटना के गांधी मैदान में धीरेंद्र शास्त्री के कार्यक्रम को प्रशासन ने अनुमति नहीं दी। कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री, तुलसी पीठाधीश्वर जगदगुरु रामभद्राचार्य समेत कई संत 6 जुलाई को पटना पहुंच रहे हैं। यहां के गांधी मैदान में बड़ा धार्मिक आयोजन होने वाला है, लेकिन उससे पहले प्रशासन ने साफ कहा दिया है भीड़ नियंत्रण और विधि व्यवस्था की वजह से ऐसे कार्यक्रम नहीं होगा। प्रशासन की कहा कि पिछली बार धीरेंद्र शास्त्री के नौबतपुर वाले कार्यक्रम में भीड़ बढ़ गई थी। उस दौरान भीड़ को काबू करने के लिए बड़ी मशक्कत करनी पड़ी थी। यही वजह है अब तक प्रशासन ने अनुमति नहीं दी है। जानकारी के मुताबिक धीरेंद्र शास्त्री के कार्यक्रम की अनुमति के लिए अधिकारियों की एक टीम गठित की जा सकती है। जो भीड़ प्रबंधन और कानून व्यवस्था को लेकर शहर में क्या स्थिति बनेगी उस पर रिपोर्ट तैयार करेगी। रिपोर्ट के आधार पर ही अनुमति दी जाएगी। प्रशासन का कहना है कि धीरेंद्र शास्त्री के साथ ही पटना में होने वाले इस कार्यक्रम में कई संत आने वाले हैं। बता दें धीरेंद्र शास्त्री इस साल 20 मई को बिहार के मुजफ्फरपुर आए थे, जहां उन्होंने दरबार लगाया था, जिसमें बड़ी संख्या में भीड़ उमड़ी थी। इसके साथ धीरेंद्र अब तक बिहार में कई बड़े सार्वजनिक धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल हो चुके हैं।

दावा: कर्नाटक में हिंदी भाषा थोपने से 90 हजार छात्र बोर्ड परीक्षा में फेल

मंत्री पोयामोझी ने कहा-तीसरी भाषा विकल्प होना चाहिए, न कि मजबूरी

चेन्नई।

इस समय हिंदी भाषा को लेकर दक्षिण भारतीय राज्यों में बवाल मचा है। इन सबके बीच तमिलनाडु के शिक्षा मंत्री अन्बिल महेश पोयामोझी ने दावा किया है कि कर्नाटक में हिंदी भाषा थोपने के चलते 90 हजार छात्र बोर्ड एग्जाम में फेल हो गए। तमिलनाडु के मंत्री ने यह बातें स्कूल कॉम्पटीशन के दौरान छात्रों को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हुए केंद्र सरकार की लैंग्वेज पॉलिसी और एजुकेशन फंडिंग पर सवाल उठाए। मंत्री पोयामोझी ने कहा कि तीसरी भाषा एक विकल्प होना चाहिए, न कि एक मजबूरी। साथ ही शिक्षा नीतियों में लचीलापन की जरूरत पर जोर दिया। केंद्र सरकार पर सीधा हमला करते हुए उन्होंने संघीय सरकार पर उच्च प्रदर्शन करने वाले राज्यों जैसे तमिलनाडु और केरल से महत्वपूर्ण शिक्षा फंड रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र राज्यों को शिक्षा फंड दबाकर धमकी दे रहा है, लेकिन सीएम स्टालिन ने हस्तक्षेप किया है और आश्वासन दिया है कि राज्य पूरी लागत वहन करेगा।

इससे पहले डीएमके सांसद कनिमोझी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस दावे का जवाब दिया कि हिंदी किसी भी भाषा की दुश्मन नहीं है। कनिमोझी ने इस आधार पर तमिल का समर्थन किया। उन्होंने उत्तर भारतीयों से दक्षिण भारतीय भाषाएं सीखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अगर हिंदी किसी भी भाषा की दुश्मन नहीं है, तो तमिल भी किसी भी भाषा की दुश्मन नहीं है। उन्हें तमिल सीखने दें। उन्होंने कहा कि उत्तरी भारत के लोगों को कम से कम एक दक्षिण भारतीय भाषा सीखने दें।

संक्षिप्त समाचार

लापरवाही व कुप्रबंधन के कारण पुरी मंदिर में मची भगदड़, मैं इससे दुखी हूं- खड़गे

नई दिल्ली।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को ओडिशा के पुरी में मची भगदड़ की घटना पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि लापरवाही व कुप्रबंधन के कारण यह घटना हुई, जो माफी के लायक नहीं है। इस भगदड़ में दो महिलाओं समेत लोगों की मौत हो गई और करीब 50 लोग घायल हो गए। खड़गे ने 'एक्स' पर लिखा- मैं महाप्रभु जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान भगदड़ मचने की घटना से बहुत दुखी हूं, जिसमें तीन लोगों की जान चली गई और कम से कम 50 लोग घायल हैं। यह घटना शुक्रवार को यात्रा के दौरान 500 श्रद्धालुओं के घायल होने की खबर सामने आने के बाद हुई है। मेरी कामनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। मैं सभी घायल श्रद्धालुओं के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। खड़गे ने आगे लिखा- जिस लापरवाही और कुप्रबंधन के कारण यह घटना घटी है, वह अक्षम्य है। पुरी के जिलाधिकारी ने कहा था कि यह घटना सुबह करीब चार बजे हुई, जब सैकड़ों श्रद्धालु रथ यात्रा उत्सव देखने के लिए मंदिर के पास एकत्र हुए थे।

जालंधर-अमृतसर नेशनल हाईवे पर कार-पिकअप में टक्कर, 3 की मौत, 17 घायल

कपूरथला।

पंजाब के कपूरथला जिले के जालंधर-अमृतसर नेशनल हाईवे पर गुडाणा पुल के पास एक कार और पिकअप की आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में दंपती समेत तीन लोगों की मौत हो गई और 17 गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मृतकों की पहचान पिकअप का चालक कल्याण सिंह (60) होशियारपुर व उसकी पत्नी प्रवीण कुमारी के अलावा संजना पुत्री पवनजीत वासी बिरड़ों तहसील गढ़शंकर जिला होशियारपुर के रूप में हुई है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। हादसे के बाद आर्टिगा कार पुल से नीचे गिर गई जिससे कार में सवार 7 व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताला पहुंचाया। एसएसआई ने बताया कि शनिवार सुबह 5 बजे कार जालंधर से अमृतसर की तरफ जा रही थी। जब वह गांव गुडाना पुल के नजदीक पहुंची तो सामने से आ रहे महिंद्रा पिकअप से टक्कर हो गई। हादसे में पिकअप में बैठी दो सवारियों की मौत हो गई और करीब 14 लोग घायल हो गए हैं। एक व्यक्ति की मौत अस्पताल में हुई। उन्होंने बताया कि कार को भीम पुत्र धर्मपाल वासी करनाल हरियाणा चला रहा था। पिकअप व आर्टिगा कार में सवार सभी लोग ब्यास जा रहे थे। कार में चालक समेत सात सवारियां थी। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

भाजपा राज में, चमचम बोरी नकली माल, भाजपा जैसा खाद का हाल

सपा प्रमुख अखिलेश ने शायराना अंदाज में बीजेपी सरकार पर कसा तंज

लखनऊ।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने रविवार को सत्तारूढ़ बीजेपी सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि बीजेपी राज में बीजेपी जैसा ही खाद का हाल हो गया है। बीजेपी की प्रदेश इकाई के प्रवक्ता हरिश्चंद्र श्रीवास्तव ने सपा प्रमुख यादव पर पलटवार किया है। अखिलेश यादव ने रविवार को 'एक्स' पर पोस्ट में शायराना अंदाज में कहा- है चमचम बोरी नकली माल, भाजपा जैसा खाद का हाल÷, भाजपा राज में।÷ यादव ने इसी पोस्ट में दो मिनट 23 सेकंड का खबर का एक वीडियो भी साझा किया जिसमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पीएम मोदी की तस्वीर लगी बोरियों में नकली खाद की बिक्री की जानकारी दी गई है। हरिश्चंद्र श्रीवास्तव ने सपा प्रमुख के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि सपा मुखिया अखिलेश जी की परेशानी का कारण योगी सरकार की भ्रष्टाचार और अपराध मुक्त उत्तर प्रदेश की नीति है। उन्होंने कहा कि जब भी अपराधियों और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई होती है, सपा मुखिया परेशान हो जाते हैं। अभी चंद दिन पहले ही योगी सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के निर्देश पर कई खाद विक्रेताओं की जांच की गई थी, कई के खिलाफ कार्रवाई हुई और सीतापुर जिले के कृषि अधिकारी निलंबित भी किए गए हैं। बीजेपी प्रवक्ता ने दावा किया कि मुझे लगता है कृषि मंत्री शाही द्वारा जिलो में 'फर्टिलाइजर' को लेकर की जा रही जांच और कार्रवाई से अखिलेश जी पीड़ा में हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

ब्राजील की फर्स्ट लेडी बोलीं- टेक कंपनियां दक्षिणपंथी एजेंडे को बढ़ा रहीं

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील की फर्स्ट लेडी रोसांगेला डी सिल्वा जिन्हें लोग 'जांजा' के नाम से जानते हैं, इन दिनों अपने बयानों को लेकर चर्चाओं के में हैं। बीते ?कुछ माह से उन्होंने टेक कंपनियों के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। उनका मानना है कि टिक टॉक, गूगल व एक्स (पूर्व में ट्विटर) जैसी कंपनियां दक्षिणपंथी एजेंडे को बढ़ावा दे रही हैं। उनका आरोप है कि ये प्लेटफॉर्म लेफ्ट-लिबरल आवाजों को दबा रहे हैं।बीते माह बीजिंग में एक औपचारिक डिनर के दौरान जांजा ने अचानक चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से सीधे कहा टिकटॉक का एल्गोरिदम दक्षिणपंथी विचारधारा को प्रमोट करता है। जांजा कहती हैं कि वह सिर्फ राष्ट्रपति के साथ चलने वाली पत्नी नहीं हैं। उनका कहना है कि मैं जहां चाहूं वहां बोलूंगी, जब चाहूं बोलूंगी। वह कहती हैं कि उन्हें कोई प्रोटोकॉल नहीं रोक सकता। मैं फर्स्ट लेडी जरूर हूं, लेकिन मेरी पहचान एक जागरूक नागरिक की भी है। इस एक लाइन की आंच में अब ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दी सिल्वा जलते दिख रहे हैं। राष्ट्रपति लूला की लोकप्रियता लगातार घट रही थी। ताजा डेटाफोल्हा पोल के मुताबिक 36त्न नागरिक मानते हैं कि जांजा की गतिविधियां सरकार को नुकसान पहुंचा रही हैं। बीते दिनों जांजा ने टेक अरबपति और एक्स के मालिक इलॉन मस्क को भी निशाने पर लिया था। उन्होंने मस्क को कायर और तानाशाहों का साथी बताया था। यह ब्राजील की राजनीतिक परंपराओं में असामान्य था।

फिलीपींस में भूकंप के जोरदार झटकों से हिली धरती, राजधानी मिंडानाओ में सहमे लोग

मिंडानाओ , एजेंसी। आज सुबह फिलीपींस में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। नेशनल सेंटर ऑफ सिस्मोलॉजी के अनुसार, रिएक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.0 आंकी गई है। नेशनल सेंटर ऑफ सिस्मोलॉजी सेंटर के अनुसार, भूकंप फिलीपींस की राजधानी मिंडानाओ में आज यानी शनिवार की सुबह 04: 37 बजे आया। भूकंप का केंद्र धरती से 105 किलोमीटर नीचे था। नेशनल सेंटर ऑफ सिस्मोलॉजी (एनसीएस) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्वीट शेयर करते हुए इसकी जानकारी दी है। एनसीएस ने लिखा, 28 जून 2025 को सुबह 4: 37 बजे फिलीपींस के मिंडानाओ में 6.0 मैग्नीट्यूड के भूकंप के झटके आए हैं। बता दें कि धरती के नीचे मौजूद प्लेट्स के खिसकने की वजह से भूकंप के झटके आते हैं। वहीं फिलीपींस पैसिफिक रिंग ऑफ फायर के पास मौजूद है, जहां दुनिया में सबसे ज्यादा भूकंप के झटके और ज्वालामुखी देखने को मिलते हैं। मिंडानाओ में भी भूकंप की वजह फिलीपींस प्लेट और पैसिफिक प्लेट के बीच टकराव हो सकता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि समुद्र की सबसे गहरी जगह भी फिलीपींस के पास ही स्थित है, जिसे मारियाना ट्रेंच कहा जाता है। प्रशांत महासागर में स्थित मारियाना ट्रेंच ही वो जगह है जहां, समुद्र सबसे गहरा (36,000 फीट से भी अधिक) है।

सूडान की सेना संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव से सहमत, अल फशेर में एक सप्ताह के लिए होगा युद्ध विराम

काहिरा, एजेंसी। सूडान में दो साल से जारी गृहयुद्ध के बीच सेना ने संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव पर सहमति जताई है। सूडान की सेना अल फशेर क्षेत्र में सहायता वितरण के लिए एक सप्ताह का युद्ध विराम करेगी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सूडानी सैन्य नेता जनरल अब्देल-फतह बुरहान से इस बारे में फोन पर बात की। गुटेरेस ने सैन्य नेता से उत्तरी दारफुर प्रांत की राजधानी अल फशेर में मानवीय संघर्ष विराम लागू करने के लिए कहा। सैन्य नेता बुरहान ने प्रस्ताव पर सहमत जताई। साथ ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रासंगिक प्रस्तावों को लागू करने के महत्व पर बल दिया। हालांकि अभी यह तय नहीं है कि दूसरा पक्ष अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (ऋस्स्र) इस प्रस्ताव पर सहमत होगा या नहीं। गुटेरेस ने कहा कि हम दोनों पक्षों से संपर्क कर रहे हैं। अल फशर में हमारे सामने एक नाटकीय स्थिति है। प्रभावी सहायता वितरण के लिए मानवीय संघर्ष विराम की आवश्यकता है। साथ ही अल फशेर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर वितरण की तैयारी के लिए कई दिन पहले इस पर सहमति होनी चाहिए। सूडान में गृहयुद्ध, जनता में भुखमरी गौरतलब है कि सूडान में अप्रैल 2023 में गृहयुद्ध शुरू हुआ था, जब सेना और आरएसएफ सत्ता के लिए आपस में भिड़ गए। यह लड़ाई धीरे-धीरे पूरे देश में फैल गई। अब तक करीब 20,000 लोगों की जान जा चुकी है, लेकिन असल आंकड़ा इससे कहीं ज्यादा हो सकता है। इतना ही नहीं अभीतक लगभग 1.4 करोड़ लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं, जिनमें से 40 लाख लोग दूसरे देशों में शरण ले चुके हैं। देश की आधी आबादी (लगभग 5 करोड़ में से) भुखमरी का सामना कर रही है। यूनिसेफ ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक लगभग 61,800 बच्चे आंतरिक रूप से विस्थापित हो चुके हैं। खार्तूम से 800 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित अल-फशर सेना के नियंत्रण में है। आरएसएफ पूरे दारफुर क्षेत्र पर अपना नियंत्रण मजबूत करने के लिए एक साल से अल-फशर पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है।

अब गाजा में शांतिदूत बनने जा रहे ट्रंप? अगले सप्ताह हो सकता है इजरायल-हमास में सीजफायर

वशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा में इजरायल और हमास के बीच चल रहे संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में एक नया प्रयास शुरू किया है। ट्रंप प्रशासन गाजा में शांति स्थापित करने के लिए मध्यस्थता की भूमिका निभा रहा है, और अगले सप्ताह तक इजरायल और हमास के बीच युद्धविराम (सीजफायर) की घोषणा हो सकती है। खुद ट्रंप ने शुक्रवार को गाजा में चल रहे संघर्ष में जल्द ही युद्धविराम की संभावना जताई है। उन्होंने कहा कि इजरायल और ईरान सर्थित हमास के बीच एक समझौता अगले एक सप्ताह में संभव है। यह बयान उन्होंने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान दिया, जहां वह कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और रवांडा के विदेश मंत्रियों की मेजबानी कर रहे थे। ट्रंप ने कहा कि वह चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के प्रयासों में शामिल व्यक्तियों के संपर्क में हैं।

ट्रंप ने कहा, मैंने कुछ शामिल लोगों से बात की है। गाजा में स्थिति बहुत भयावह है। हमें लगता है कि अगले सप्ताह के भीतर हम युद्धविराम हासिल कर लेंगे। उन्होंने यह नहीं बताया कि इस मुद्दे पर किससे बात हुई है लेकिन हाल के दिनों में ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ लगभग दैनिक संपर्क बनाए रखा। यह बयान ऐसे समय में आया है जब हाल ही में इजरायल और ईरान के बीच 12 दिन के युद्ध के बाद अमेरिका द्वारा मध्यस्थता में युद्धविराम लागू हुआ है। इस युद्धविराम ने क्षेत्र में शांति की संभावनाओं को बढ़ा दिया है, और अब ध्यान

गाजा में चल रहे संघर्ष पर केंद्रित हो रहा है। ट्रंप न केवल संघर्ष में अस्थायी रोक के लिए बल्कि इजरायल और हमास के बीच एक स्थायी समझौते के लिए भी जोर दे रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि इस तरह के समझौते से इजरायल-फिलिस्तीनी शांति वार्ता के लिए नए सिरे से रास्ता खुल सकता है।

क्या है पूरा मामला : गाजा में संघर्ष की शुरुआत 7 अक्टूबर 2023 को हमास के इजरायल पर हमले से हुई थी, जिसमें 1,200 लोग मारे गए थे और 251 लोगों को बंधक बनाया गया था। इसके बाद इजरायल ने गाजा में बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई शुरू की, जिसके परिणामस्वरूप व्यापक विनाश और मानवीय संकट पैदा हुआ। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस संघर्ष में अब तक 56,300 से अधिक लोग मारे गए हैं, जिनमें से आधे से अधिक महिलाएं और बच्चे हैं। पिछला युद्धविराम पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल के अंतिम दिनों में हुआ था, वह मार्च में समाप्त हो गया था, जब इजरायल ने हमास पर नए हमले शुरू किए। इसके बाद से गाजा में भोजन और अन्य आवश्यक आपूर्तियों की आपूर्ति पर रोक लगी, जिससे वहां अकाल का खतरा मंडरा रहा है। हाल के हफ्तों में, गाजा मानवीय फाउंडेशन (जीएचएफ) के माध्यम से सीमित सहायता की अनुमति दी गई है, जिसे अमेरिका और इजरायल का समर्थन प्राप्त है। हालांकि, सहायता वितरण स्थलों के पास इजरायली सेना द्वारा गोलीबारी की घटनाएं विवाद का कारण बनी हैं।

मध्यस्थता और नई उम्मीद : ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने पिछले महीने 60 दिन के युद्धविराम का प्रस्ताव रखा था, जिसमें हमास द्वारा 10 जीवित बंधकों और 18 मृत बंधकों के शवों को रिहा करने की बात शामिल थी। हालांकि, यह प्रस्ताव अभी तक लागू नहीं हो सका है। मिस्र और कतर जैसे देशों द्वारा मध्यस्थता के प्रयासों को फिर से शुरू किया गया है, और सूत्रों के अनुसार, मिस्र एक नया युद्धविराम प्रस्ताव तैयार कर रहा है जो अगले दो हफ्तों में लागू हो सकता है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने भी ट्रंप की इस पहल का समर्थन किया है। ब्रसेल्स में यूरोपीय संघ के नेताओं की बैठक के बाद उन्होंने कहा कि ट्रंप गाजा में युद्धविराम के लिए बहुत दृढ़ हैं। इसके अलावा, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर भी अपने देश के अंदर और बाहर से दबाव बढ़ रहा है कि वह इस संघर्ष को समाप्त करने के लिए कदम उठाएं। ट्रंप प्रशासन न केवल गाजा में युद्धविराम पर ध्यान दे रहा है, बल्कि क्षेत्रीय शांति के लिए व्यापक योजना पर भी काम कर रहा है। इजरायल हायोम की एक रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप और नेतन्याहू ने गाजा में युद्ध को दो सप्ताह के भीतर समाप्त करने और अब्राहम समझौते का विस्तार करने की योजना पर सहमति जताई है, जिसमें सीरिया, सऊदी अरब और अन्य मुस्लिम देशों को शामिल करने की बात है। इस योजना में मिस्र और संयुक्त अरब अमीरात सहित चार अरब देशों द्वारा गाजा के प्रशासन को संभालने और हमास को हटाने का प्रस्ताव है। हालांकि, इस दिशा में कई चुनौतियां बनी हुई हैं। हमास ने स्पष्ट किया है कि वह अपने हथियार नहीं छोड़ेगा, जबकि इजरायल का कहना है कि युद्ध तभी समाप्त होगा जब हमास को पूरी तरह नष्ट कर दिया जाएगा।

गाजा में राहत सामग्री वितरण में हो रहीं मौतों पर संयुक्त राष्ट्र का आरोप, कहा- सामूहिक हत्याओं को बढ़ा रहा इस्राइल

न्यूयार्क, एजेंसी। गाजा में राहत सामग्री वितरण के दौरान हो रहीं मौतों पर संयुक्त राष्ट्र ने इस्राइल पर बड़ा आरोप लगाया है। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने कहा कि इस्राइल सामूहिक हत्याओं को बढ़ावा दे रहा है। इस्राइल को गाजा में संयुक्त राष्ट्र की मानवीय सहायता आपूर्ति फिर से शुरू करनी चाहिए। आरोप है कि पिछले एक महीने में जब से गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) ने खाने के पैकेट बांटना शुरू किया है, तब से अब तक 500 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं और सैकड़ों घायल हुए हैं। हालांकि इस्राइल की सेना और जीएचएफ ने आरोपों से इनकार किया है। इस्राइल के एक अखबार की रिपोर्ट में कहा गया था कि इस्राइली सैनिकों को गाजा में राहत सामग्री पाने की कोशिश कर रहे फलस्तीनियों पर गोली चलाने का आदेश मिला है। रिपोर्ट में कहा गयश कि जब लोग राहत केंद्रों की ओर जा रहे होते हैं तो उन पर फायरिंग की जाती है। इस मामले में फलस्तीन के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी (यूएनडब्ल्यूआरए) के प्रमुख फिलिप लाजारिनी ने कहा कि नई सहायता वितरण प्रणाली एक हत्या का मैदान बन गई है, यहां लोगों को भोजन प्राप्त करने का प्रयास करते समय गोली मार दी जाती है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि इस घृणित कार्य को संयुक्त राष्ट्र द्वारा अन्य स्थानों से मानवीय सहायता प्रदान कर समाप्त किया जाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि लोग केवल अपना और अपने परिवार का पेट भरने की कोशिश में मारे जा रहे हैं। भोजन की खोज कभी भी मौत की सजा नहीं होनी चाहिए। वहीं चिकित्सा चैरिटी संस्था डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (एमएसएफ) ने जीएचएफ राहत प्रयास को मानवीय सहायता के नाम पर नरसंहार कहा।

अमेरिका ने पाकिस्तानी आवेदकों के लिए वीजा नियमों को किया कड़ा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने पाकिस्तानी आवेदकों के लिए वीजा नियमों को कड़ा किया है। एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, कराची और लाहौर में अमेरिकी वाणिज्य दूतावासों ने सभी एफ, एम और जे गैर-आप्रवासी वीजा आवेदकों को अपने सोशल मीडिया अकाउंट को सार्वजनिक करने का आदेश दिया है। यह निर्देश हाल ही में दिल्ली में अमेरिकी दूतावास की ओर से लागू की गई इसी तरह की नीति के अनुरूप है। 18 जून को जारी एक आंतरिक अमेरिकी विदेश विभाग के नोटिस में वाणिज्य दूतावास अधिकारियों को वीजा आवेदकों की अधिक गहन जांच करने का निर्देश दिया गया है, ताकि अमेरिका या उसके संस्थानों के प्रति शत्रुतापूर्ण विचारों वाले किसी भी व्यक्ति का पता लगाया जा सके। यह कदम आव्रजन जांच को कड़ा करने की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। एआरवाई न्यूज के मुताबिक वाणिज्य दूतावासों ने इंस्टाग्राम पर घोषणा की कि आवेदकों को अपनी सोशल मीडिया गोपनीयता सेटिंग को समायोजित करना होगा ताकि अधिकारी पहचान और पात्रता सत्यापित कर सकें।

चीन में सेना के 3 अफसर बर्खास्त: भ्रष्टाचार की वजह से कार्रवाई

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने एंटी करप्शन प्रोग्राम के तहत शुक्रवार को सेना के तीन सीनियर अधिकारियों को पद से हटा दिया। इनमें जनरल मियाओ हुआ, नेवी के चीफ ऑफ स्टाफ वाइस एडमिरल ली हानजुन और चाइना नेशनल न्यूक्लियर कॉरपोरेशन के डिप्टी चीफ इंजीनियर लियू शिपेंग शामिल हैं। हॉन्गकॉन्ग के अखबार साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, तीनों अधिकारियों पर भ्रष्टाचार की वजह से एक्शन लिया गया। इन सभी को चीनी संसद नेशनल पीपल्स कांग्रेस ने बर्खास्त किया। चीन को डर है कि भ्रष्टाचार की वजह से चीन की सेना कमजोर हो रही है। इसलिए 2023 से सेना में एंटी करप्शन ड्राइव चल रही है। इसके तहत अब तक करीब 10 जनरल और कई अधिकारियों को हटाया जा चुका है।

जनरल मियाओ को खुद राष्ट्रपति जिंगपिंग ने चुना था जनरल मियाओ हुआ चीन की सेंट्रल मिलिट्री कमीशन (सीएमसी) के सदस्य और इसके पॉलिटिकल वर्क डिपार्टमेंट के डायरेक्टर थे। उन्हें नवंबर 2024 से भ्रष्टाचार की वजह से जांच के दायरे में रखा गया था।

मियाओ को अप्रैल 2025 में एनपीसी से हटाया गया था और अब उन्हें सीएमसी से भी बर्खास्त कर दिया गया है। वे चीनी आर्मी में कम्युनिस्ट पार्टी की विचारधारा के मैनेजमेंट के लिए जिम्मेदार थे। मियाओ को खुद राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने व्यक्तिगत तौर पर चुना था और उनका करियर शी के सत्ता में आने के बाद तेजी से आगे बढ़ा था। वहीं, वाइस एडमिरल ली हानजुन नेवी के चीफ ऑफ स्टाफ थे और लियू शिपेंग न्यूक्लियर सेक्टर में काम करते थे। लियू शिपेंग को भी एनपीसी से हटा दिया गया है। रक्षा मंत्री पर भी लगा था भ्रष्टाचार का आरोप राष्ट्रपति बनने के बाद से ही शी जिनपिंग सेना में फैले भ्रष्टाचार की रोकथाम में लगे हैं। पिछले साल चीन के रक्षा मंत्री डोंग जुन का भी एंटी करप्शन ड्राइव में नाम आया था, जिसके बाद उनके खिलाफ जांच बैठाई गई थी। इससे पहले दो पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू और वेई फेंगहे को पद से हटा दिया गया था। शी का टारगेट सेना में कम्युनिस्ट पार्टी के लिए वफादारी तय करना और इसे ग्लोबल सुपर पावर बनाना है। एक्सपर्ट्स का यह भी मानना है कि यह कार्रवाई भ्रष्टाचार को खत्म करने के साथ-साथ शी जिनपिंग की सत्ता को और मजबूत करने का हिस्सा है। चीन लगातार अपनी सेना को आधुनिक बना रहा चीन लगातार अपनी सेना का आधुनिकीकरण कर रहा है। चीन ने इस साल के अपने सालाना रक्षा बजट में 7.2प्रतिशत की बढ़त की है। इस साल यह 249 अरब डॉलर (1.78 ट्रिलियन युआन) हो गया। यह भारत के 79 अरब डॉलर के सैन्य बजट के मुकाबले करीब 3 गुना ज्यादा है। एक्सपर्ट्स का अनुमान है कि चीन का वास्तविक डिफेंस खर्च उसकी तरफ से बताए गए खर्च से 40-50प्रतिशत ज्यादा है। चीन अपने सैन्य खर्च को कम दिखाने के लिए अलग-अलग सेक्टर के तहत धन आवंटित करता है। चीन अमेरिका के बाद सेना पर सबसे ज्यादा खर्च करता है। अमेरिका का रक्षा बजट 950 अरब डॉलर के करीब है। जो चीन के बजट से 4 गुना से भी ज्यादा है।

चीन में चमगादड़ों में मिले 20 नए वायरस

बीजिंग, एजेंसी। कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी के बाद वायरस की उत्पत्ति और उनके पशु स्त्रोतों की निगरानी पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। अब चीन के दक्षिण-पश्चिमी युन्नान प्रांत से आई एक चौंकाने वाली रिपोर्ट ने वैज्ञानिकों की चिंता और बढ़ा दी है। वैज्ञानिकों ने फलों के बागों में पाए जाने वाले चमगादड़ों में 20 नए वायरस खोजे हैं, जिनमें से दो जानलेवा निपाह और हेंड्रा वायरस से मिलते-जुलते हैं। यह खोज एक नई महामारी की चेतावनी भी देती है। युन्नान इंस्टीट्यूट ऑफ एंडेमिक डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन और डाली यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों की एक टीम ने 10 प्रजातियों के 142 चमगादड़ों का आनुवंशिक विश्लेषण किया। विश्लेषण में 20 नए वायरस, एक अज्ञात जीवाणु और एक नया प्रोटोजोआ परजीवी भी मिला। दोनों वायरस की संरचना निपाह और हेंड्रा वायरस के आधे से अधिक जीन से मेल खाती है। ये दोनों वायरस पहले भी मानव संक्रमण में बेहद घातक साबित हुए हैं। खास चिंता की बात यह है कि वायरस खास तौर पर चमगादड़ों की किडनी में पाया गया है, जो मूत्र उत्पादन

से जुड़ा अंग है।

जानवरों और मनुष्यों में संक्रमण का खतरा : ये चमगादड़ ग्रामीण उद्यानों में पकड़े गए, जो आबादी वाले गांवों के पास स्थित हैं। इसका मतलब है कि अगर इन वायरस में प्रजातियों के बीच संचार करने की क्षमता है, तो मनुष्य और पालतू जानवर सीधे जोखिम में पड़ सकते हैं। पीएलओएस पैथोजेन्स पत्रिका में प्रकाशित शोध में चेतावनी दी गई है कि वायरस के फैलने की संभावना को देखते हुए सख्त निगरानी की आवश्यकता है।

दो नए वायरस: युन्नान बैट हेनिपावायरस 1 और 2... : अध्ययन में विशेष रूप से दो नए वायरस, युन्नान बैट हेनिपावायरस 1 और 2 की पहचान की गई है, जो हेंड्रा और निपाह जैसे हेनिपावायरस के करीबी विकासवादी चचेरे भाई हैं। उनके जीनोम का पूरी तरह से विश्लेषण किया गया है, जो चीन में अपनी तरह की पहली खोज है। हालांकि यह अभी तक निश्चित नहीं है कि ये वायरस मनुष्यों को संक्रमित कर सकते हैं या नहीं, लेकिन उनकी संरचनात्मक समानताएं उन्हें प्राथमिक निगरानी सूची में डालती हैं।

कोविड-19 की छाया में, यह खोज इसलिए महत्वपूर्ण है... यह शोध ऐसे समय में आया है जब दुनिया अभी भी कोविड-19 के दंश से उबरने की कोशिश कर रही है। एक ऐसा वायरस जिसकी उत्पत्ति भी चमगादड़ों से बताई गई। वुहान लैब लीक थ्योरी पर विवाद के बाद अब ऐसी हर खोज को खास गंभीरता से देखा जा रहा है। इस हालिया शोध ने एक बार फिर इस बात की पुष्टि की है कि वायरस की उत्पत्ति, प्रसार और जूनोटिक ट्रांसफर की वैज्ञानिक निगरानी बेहद जरूरी है।

अब तानाशाह किम जोंग उन से दोस्ती का हाथ बढ़ाएंगे डोनाल्ड ट्रंप?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब उत्तर कोरिया से रिश्ते बेहतर की बात कर रहे हैं। ओवल ऑफिस में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने यह बात कही। ट्रंप ने कहाकि वह उत्तर कोरिया के साथ संघर्ष का समाधान करेंगे। इस कार्यक्रम के दौरान ट्रंप दुनिया भर में लड़ाइयां खत्म कराने के अपने प्रयासों की बात कर रहे थे। इस दौरान ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्होंने उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन को लेटर लिखा है? इस महीने एक रिपोर्ट में ऐसा दावा किया गया था। ट्रंप ने इस बात का सीधी तरह से जवाब तो नहीं दिया, लेकिन उन्होंने यह जरूर कहाकि किम जोंग उन के साथ उनके रिश्ते अच्छे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने आगे कहाकि कि कोई कह रहा है कि एक संभावित संघर्ष हो सकता है, लेकिन मुझे लगता है कि हम इसे सुलझा लेंगे। अगर कोई संघर्ष होता है, तो इसमें हमारा हाथ नहीं होगा। बता दें कि उत्तर कोरिया की निगरानी करने वाली सियोल स्थित एनके न्यूज ने इस महीने एक रिपोर्ट दी थी। इसके मुताबिक संयुक्त राष्ट्र में उत्तर कोरिया के प्रतिनिधिमंडल ने ट्रंप का किम को भेजा हुआ पत्र स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान, 2017 से 2021 के बीच किम के साथ उनकी तीन बैठकें हुईं। इस दौरान दोनों ने एक-दूसरे

को कई पत्र भी भेजे। इन पत्रों को ट्रंप ने सुंदर कहा था। लेकिन यह अभूतपूर्व कूटनीतिक प्रयास उस समय टूट गया जब अमेरिका ने किम से परमाणु हथियार छोड़ने की मांग की। ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में स्वीकार किया है कि उत्तर कोरिया एक परमाणु शक्ति है। व्हाइट हाउस ने 11 जून को कहा कि ट्रंप किम के साथ बातचीत का फिर से स्वागत करेंगे, लेकिन यह पुष्टि नहीं की कि कोई पत्र भेजा गया था। उत्तर कोरिया ने 2019 में ट्रंप की कूटनीति खत्म होने के बाद से बातचीत में लौटने में कोई रुचि नहीं दिखाई है। इसके बजाय, इसने अपने परमाणु हथियारों और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रमों का काफी विस्तार किया है। इसके अलावा यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में रूस का साथ देकर उसके साथ करीबी संबंध बना लिए हैं।

टैरिफ पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की खुली धमकी, बोले- हमारा जो मन होगा वही करेंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि आयात पर फिर से लगाए जाने वाले व्यापक टैरिफ की समयसीमा को आगे-पीछे किया जा सकता है। फिलहाल यह समयसीमा 9 जुलाई तक निर्धारित है। यानी जिन देशों पर अमेरिका ने टैरिफ लगाया है उनको 9 जुलाई तक राहत जारी रहेगी लेकिन उसके बाद या तो टैरिफ को फिर से लागू किया जा सकता या तारीख आगे बढ़ाई जा सकती है। ट्रंप का कहना है कि जो उनका मन होगा वही करेंगे। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा कि यह तारीख अंतिम नहीं है और यह इस बात पर निर्भर करेगा कि व्यापार वार्ताएं कितनी तेजी से आगे बढ़ती हैं। ट्रंप ने कहा, हमारे पास पूरा लचीलापन है। हम समयसीमा को छोटा कर सकते हैं या बढ़ा सकते हैं। व्यक्तिगत तौर पर मैं तेजी से आगे बढ़ना पसंद करूंगा। मुझे तो सबसे कह देने में मजा आएगाः बधाई हो, अब आप 25 प्रतिशत टैरिफ चुका रहे हैं। इस बीच अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने फॉक्स बिजनेस नेटवर्क को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि व्यापार समझौते लेबर डे (सितंबर की पहली सोमवार) तक भी पूरे हो सकते हैं, अगर सकारात्मक प्रगति जारी रही। बेसेंट ने कहा, हमारे पास 18 प्रमुख व्यापारिक साझेदार हैं। अगर हम इनमें से 10 या 12 के साथ समझौते कर

लें, और हम पहले से ही 20 और अर्थव्यवस्थाओं के साथ संपर्क में हैं, तो हम लेबर डे तक व्यापार वार्ताएं पूरी कर सकते हैं। ट्रंप प्रशासन ने गुरुवार को यूरोपीय संघ को एक नया व्यापार प्रस्ताव भेजा है, जबकि भारत ने भी व्यापार वार्ताओं को आगे बढ़ाने के लिए एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल वॉशिंगटन भेजा है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने भी पत्रकारों से कहा कि 8-9 जुलाई की टैरिफ समयसीमा निर्णायक नहीं है और राष्ट्रपति के पास तारीखों में बदलाव का पूर्ण अधिकार है। उन्होंने कहा, अगर देश बातचीत की मेज पर नहीं आते, तो राष्ट्रपति के पास विकल्प है कि वे सीधे एक प्रस्ताव पेश कर दें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ये प्रस्ताव अमेरिका के हित और श्रमिकों को ध्यान में रखते हुए जवाबी टैरिफ के रूप में भी हो सकते हैं।

गौरतलब है कि अप्रैल में राष्ट्रपति ट्रंप ने लगभग सभी विदेशी आयातों पर जवाबी टैरिफ प्रणाली की घोषणा की थी। हालांकि, 10 प्रतिशत से अधिक टैरिफ पर 90 दिनों की छूट दी गई थी, जो 8 जुलाई को समाप्त हो रही है। मई के अंत में ट्रंप ने अपने रुख को और सख्त करते हुए यूरोपीय संघ से आने वाले सामानों पर 50 प्रतिशत तक के टैरिफ की धमकी दी थी, जो पहले से ही टैरिफ के पहले दौर का सामना कर रहे हैं। ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि वह प्रौद्योगिकी कंपनियों पर टैक्स जारी रखने की कनाडा की योजना के कारण उसके साथ व्यापार वार्ता को तत्काल निलंबित कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कनाडा का यह कदम ''हमारे देश पर प्रत्यक्ष और स्पष्ट हमला'' है। ट्रंप ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया नेटवर्क पर एक पोस्ट में कहा कि कनाडा ने अमेरिका को सूचित किया है कि वह सोमवार से लागू होने वाले कर लगाने की अपनी योजना पर कायम है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

CRPF जवान 22 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार

ट्रॉली बैग और हैंडबैग की तलाशी लेने पर प्रतिबंधित नशीला पदार्थ गांजा बरामद

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर की वराछा पुलिस ने एक पुख्ता सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 22 किलो से

अधिक गांजे के साथ एक CRPF जवान को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान शिमांचल चेतन नाहक (उम्र 37 वर्ष) के रूप में हुई है, जो CRPF में पुलिस कांस्टेबल के पद पर कार्यरत है।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, वराछा के खांडबाजार से झाडा बावा टेकरी की ओर जाने वाले मेन रोड पर एक संदिग्ध व्यक्ति गांजे का बड़ा जखीरा लेकर बिक्री करने आने वाला था। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने निगरानी शुरू की और शिमांचल नाहक को धर दबोचा। उसकी ट्रॉली बैग और हैंडबैग की तलाशी लेने पर प्रतिबंधित नशीला पदार्थ गांजा बरामद हुआ।

पुलिस ने आरोपी के पास से कुल 22 किलो 258 ग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी बाजार कीमत लगभग 2,2-2,580/- आँकी गई है। इसके

अलावा उसके पास से 5,000/- कीमत का मोबाइल फोन और 260/- नकद भी बरामद किए गए। इस तरह पुलिस ने कुल 2,27,840/- मूल्य का सामान जब्त कर लिया है और मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

वराछा आलोक कुमार ने बताया कि आरोपी के पास से मिले आईडी कार्ड के अनुसार वह CRPF का पुलिस कांस्टेबल है। वर्तमान में वह दिल्ली की रोहिणी जेल में तैनात था और हाल ही में उसकी ट्रांसफर असम की गई थी, लेकिन वह अब तक वहां रिपोर्ट करने नहीं गया था।

इसके अलावा आरोपी जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में भी ड्यूटी कर चुका है और वहाँ SOG (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) से भी जुड़ा रहा है। पुलिस अब इन सभी तथ्यों की गहनता से जांच कर रही है, ताकि आरोपी के नेटवर्क और मादक पदार्थों की तस्करी में उसकी भूमिका का पूरा खुलासा हो सके।

200 साल पुराना विशालकाय पेड़ गिरा रिक्शा और पास के मकान को नुकसान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में आज चल रही तेज़ हवाओं के कारण दिल्लीगेट क्षेत्र में स्थित गोपालजी की हवेली के पास एक 200 साल पुराना विशाल पेड़ धराशायी हो गया। सौभाग्य से इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन एक रिक्शा और पास के एक मकान को आंशिक नुकसान पहुँचा है।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार, तेज हवाओं के कारण यह विशालकाय पेड़ अचानक गिर गया। पेड़ गिरने से वहां से गुजर रही एक रिक्शा और समीप स्थित एक मकान को नुकसान पहुँचा। हालांकि, घटना में किसी व्यक्ति को चोट नहीं लगी, जिससे प्रशासन और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली।

गौरतलब है कि जिस स्थान पर पेड़ गिरा, उसके पास ही भगवान गणपति की मूर्तियाँ बनाने का काम चल रहा था। इतना विशाल पेड़ गिरने के बावजूद आश्चर्यजनक रूप से गणपति की मूर्तियों को कोई नुकसान नहीं पहुँचा। घटना के बाद स्थानीय प्रशासन ने तुरंत मौके पर पहुंचकर पेड़ को हटाने का कार्य शुरू कर दिया।

साइबर फ्रॉड के 35 आरोपी गिरफ्तार

नवसारी पुलिस की 9 टीमों ने तीन राज्यों में छापेमारी कर 3.01 करोड़ की ठगी का पर्दाफाश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में साइबर क्राइम पर लगाम लगाने के लिए "ऑपरेशन साइबर स्टॉर्म" के तहत नवसारी जिला पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। इस ऑपरेशन के अंतर्गत नवसारी जिले के अलग-अलग थानों में दर्ज कुल 10 वित्तीय धोखाधड़ी

मामलों में संलिप्त 35 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। ये आरोपी गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र के 7 अलग-अलग जिलों से पकड़े गए हैं।

नवसारी जिला पुलिस ने साइबर क्राइम पर शिकंजा कसने के लिए "ऑपरेशन साइबर स्टॉर्म" नाम से एक बड़ा अभियान चलाया। इस अभियान के तहत जिले में दर्ज 10 साइबर धोखाधड़ी मामलों की जांच कर 35 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई गुजरात के सूरत, भरूच, भावनगर, राजकोट, अहमदाबाद और राजस्थान के जयपुर एवं महाराष्ट्र के मुंबई सहित कुल 7 जिलों में की गई। इस अभियान के लिए नवसारी पुलिस ने कुल 9 टीमें बनाई थीं, जिनमें पुलिस इंस्पेक्टर, सब-इंस्पेक्टर के साथ स्ब्क्ष् स्ह्ल, साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन और स्थानीय थानों के अधिकारी शामिल थे। पहले चरण में सभी अपराधों का विश्लेषण कर आरोपियों के पते और व्यवहार के आधार पर टीमें क्षेत्रवार विभाजित की गईं, ताकि समन्वित कार्रवाई हो सके।

1. निवेश (Investment) फ्रॉड: आरोपी मोबाइल पर आकर्षक निवेश की लिंक भेजते हैं, लिंक पर क्लिक करते ही पीड़ित के अकाउंट से पैसे ट्रांसफर हो जाते हैं।

2. फेसबुक आईडी फ्रॉड: ठग पीड़ित जैसी ही फेसबुक प्रोफाइल बनाकर उनके मित्रों और परिजनों से पैसे या मदद की मांग करते हैं।

3. शेयर मार्केट निवेश फ्रॉड: ऊँचे रिटर्न का झांसा देकर पीड़ित का विश्वास जीतते हैं और उनसे बड़े पैमाने पर विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर पैसे ट्रांसफर करवाते हैं।

4.ऑनलाइन ट्रेडिंग फ्रॉड: ऑनलाइन ट्रेडिंग में निवेश के लिए फुसलाकर पीड़ितों से रकम ठगते हैं।

5.कृषि लेन-देन से जुड़ा फ्रॉड: एक मामले में पीड़ित से उसकी खेती की जमीन पर ग्रीनहाउस बनाने का झांसा देकर बड़ी रकम हड़पी गई।

इनके अलावा भी कुछ अन्य प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक धोखाधड़ी के मामले सामने आए हैं, जिनकी जांच जारी है। इस ऑपरेशन में कुल 3,01,35,543 (तीन करोड़ एक लाख पैंतीस हजार पांच सौ तैंतालीस रुपये) की साइबर ठगी का खुलासा हुआ है।

सभी आरोपियों के खिलाफ कोर्ट से रिमांड की मंजूरी मिल चुकी है और फिलहाल रिमांड प्रक्रिया जारी है। पूछताछ के आधार पर 10 और फरार आरोपियों को घोषित किया गया है, जिनकी गिरफ्तारी के लिए कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

नवसारी पुलिस ने "ऑपरेशन साइबर स्टॉर्म" के जरिए साइबर अपराधियों पर बड़ी सफलता हासिल की है, जो साइबर क्राइम को नियंत्रित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वडोदरा में खनिज विभाग के अधिकारी द्वारा 2 लाख की रिश्वत मामले में दोनों फरार आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वडोदरा में डेढ़ महीने पहले खनिज विभाग के अधिकारी को रिश्वत लेते हुए पकड़े जाने का मामला सामने आया था। इस मामले में घटना के बाद फरार चल रहे रवी मिस्त्री और संकेत पटेल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

रिश्वत की रकम स्वीकारने रिश्वत की रकम लेते क्लर्क को रंगेहाथ पकड़ा गया था।

नर्मदा जिले की ACB ने डेढ़ महीने पहले दो लोगों को रिश्वत की रकम लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा था। घटना के बाद जब शिकायत दर्ज की गई, तब इंचार्ज भूगर्भशास्त्री रवी मिस्त्री और रॉयल्टी इंस्पेक्टर संकेत पटेल फरार हो गए थे।

रवी मिस्त्री और संकेत पटेल पिछले डेढ़ महीने से पुलिस की पकड़ से दूर थे। इतने समय तक वे कहां छिपे थे, यह चर्चा का विषय बना हुआ है।

ACB ने पहले ही इस मामले में वरिष्ठ क्लर्क युवराजसिंह गोहिल, क्लर्क किरण परमार, इंचार्ज भूगर्भशास्त्री रवी मिस्त्री और रॉयल्टी इंस्पेक्टर संकेत पटेल के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी। इनमें से रवी मिस्त्री और संकेत पटेल फरार थे। युवराजसिंह और किरण फिलहाल जेल में हैं। वरिष्ठ क्लर्क युवराजसिंह ने पूरे स्टाफ की ओर से शिकायतकर्ता से दो लाख की रिश्वत मांगी थी।

के लिए वरिष्ठ क्लर्क युवराज ने क्लर्क किरण से कहा था। शिकायतकर्ता ने खनिज विभाग से रेत स्टॉक करने की अनुमति मांगी थी। इसके बदले में दो लाख रुपये की रिश्वत मांगी गई थी। शिकायतकर्ता ने ACB में शिकायत की थी, जिसके बाद वडोदरा शहर के अटलादरा क्षेत्र के प्रेमवती रेस्टोरेंट में विषय बना हुआ है। पुलिस ने उनके ठिकानों की जांच और अन्य कौन शामिल था, इसकी जांच के लिए कोर्ट में सात दिन की रिमांड की मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने रिमांड मंजूर नहीं की और दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। किसके आशीर्वाद से वे इतने समय तक अंडरग्राउंड रहे, यह भी जांच का विषय बना

खनिज विभाग में इतनी बड़ी राशि की इस स्थान पर रिश्वत मांगे जाने की यह शायद वडोदरा में पहली घटना मानी जा रही है। रॉयल्टी इंस्पेक्टर संकेत पटेल के पास खेड़ा और आणंद जिलों में बड़ी संपत्ति होने की चर्चा है। संकेत पटेल की मां अलकाबेन पटेल खेड़ा के डाकोर नगरपालिका की काउंसलर हैं।

नहाते समय का वीडियो वायरल करने वाला आरोपी सोहेल अंसारी वाराणसी से गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर ही नहीं, बल्कि पूरे गुजरात में समाज को शर्मसार कर देने वाली घटना के बाद प्रशासन भी सख्त हो गया है। सूरत के लिंबायत क्षेत्र में एक महिला शिक्षिका का बाथरूम में नहाते समय का वीडियो मोबाइल में बनाकर आरोपी ने सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इतना ही नहीं, आरोपी सोहेल फारुक अंसारी ने यह आपत्तिजनक वीडियो शिक्षिका के परिवार को भी भेज दिया।

आरोपी सोहेल फारुक अंसारी ने शिक्षिका को शादी के सपने दिखाकर यह घिनौना वीडियो बनाया और फिर उसे वायरल कर दिया। इस घटना के बाद शिक्षिका के परिवार ने पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए सूरत पुलिस ने आरोपी को उत्तर प्रदेश के वाराणसी से पकड़कर सूरत लाया और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सूरत के लिंबायत इलाके की एक महिला शिक्षिका को आरोपी सोहेल फारुक अंसारी काफी समय से शादी का झांसा दे रहा था। इसी दौरान उसने शिक्षिका का नहाते समय का वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। यही नहीं, उसने यह वीडियो शिक्षिका के परिवारजनों को भी भेजा, जिससे शिक्षिका और उसका परिवार समाज में अपमानित महसूस करने लगे।

इस संबंध में शिक्षिका के परिवार ने लिंबायत पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई थी। पुलिस ने आरोपी सोहेल फारुक अंसारी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया और उसे पकड़ने के लिए कई टीमों का गठन कर प्रयास शुरू किए। कड़ी मेहनत के बाद आरोपी वाराणसी से पकड़ा गया और उसे सूरत लाकर कानूनी कार्रवाई की गई है।

सूरत में नकली सोने के गहने बनाने वाली फैक्ट्री पकड़ी गई, पुलिस ने 12 लोगों को किया गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात में पिछले कुछ समय से नकली चीजों और फर्जीवाड़ों की बाढ़ आई हुई है — कभी नकली अधिकारी तो कभी नकली सामान। अब सूरत के सरथाणा इलाके में नकली सोने के गहनों की एक पूरी गैंग पकड़ी गई है। यह गैंग असली हॉलमार्क वाले सोने में मिलावट कर नकली सोने के गहने बनाकर बेचती थी। इस मामले में पुलिस ने 12 लोगों को गिरफ्तार किया है।

मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के सरथाणा इलाके में एक फैक्ट्री पकड़ी गई है जहां असली हॉलमार्क लगे लेकिन मिलावटी नकली सोने के गहने बनाए जा रहे थे। इन गहनों पर "100% शुद्ध" की मुहर लगाई जाती थी, लेकिन उनमें केवल 23त्न ही सोना होता था। ये लोग हॉलमार्क की नकली मुहर लगाकर इन गहनों को बाजार में बेचते थे।

इसका खुलासा तब हुआ जब मुख्य आरोपी विवेक सोनी और उसके साथी योगी चौक स्थित एक ज्वेलरी स्टोर पर नकली सोने की चेन बेचने गए। ज्वेलर्स के मालिक को सोने की गुणवत्ता पर शक हुआ और उसने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अलग-अलग टीमें बनाकर जांच शुरू की। इसके बाद उत्राण थाना क्षेत्र में वेलंजा स्थित रुद्राक्ष सोसायटी में छापा मारा गया, जहां घर के अंदर ही नकली सोने के गहनों की फैक्ट्री चलाई जा रही थी। पुलिस ने वहां से चार नकली चेन, चेन बनाने की मशीन, और हॉलमार्क की नकली मुहर समेत कई सामान जब्त किए हैं। कुल मिलाकर 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि मुख्य आरोपी विवेक सोनी पिछले एक महीने से 11 अन्य लोगों के साथ मिलकर यह मिलावटी सोने की फैक्ट्री चला रहा था। इस मामले में आगे की जांच जारी है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि इन नकली गहनों को कहां-कहां बेचा गया और और कौन-कौन इसमें शामिल था।